श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

श्रीकंचनपथ ONLINE

visit us http://www.shreekanchanpath.com

वर्ष- 13, अंक - 273

भिलाई, बुधवार 20 जुलाई 2022

पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

गोमूत्र से बनाए जाएंगे कीट नियंत्रण उत्पाद, रासायनिकों के प्रयोग पर लगेगी लगाम-सीएम बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार गोमूत्र की खरीदी की योजना को बहुत गंभीरता से ले रही है। सीएम भूपेश बघेल लगातार इस योजना को लेकर बयान देते रहते हैं। मंगलवार को उन्होंने फिर कहा कि बहुत जल्दी ही गोमूत्र की खरीद शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में बहुत सारे लोग जैविक खेती करना चाहते हैं, वे रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल नहीं करना चाहते। इसको देखते हुए गौमूत्र का इस्तेमाल करके कीट नियंत्रण उत्पाद बनाए जाएंगे। इनके जरिए जैविक खेती को बढ़ावा दिया जा सकेगा।

दो रुपए प्रति किलोग्राम गोबर खरीदी के बाद सरकार अब गोमूत्र की खरीदी भी शुरू करने जा रही है। किसानों के हितों को देखते हुए सरकार ने गोमूत्र की कीमत भी तय कर दी है। सरकार ने इसके लिए कम से कम चार रुपए प्रति लीटर की दर तय कर दी है। इसके अलावा गौठान प्रबंध समिति गोमूत्र खरीदी की दर स्थानीय स्तर पर भी तय कर सकती हैं। इस योजना की शुरुआत हरेली तिहार 28 जुलाई से हो रही है। पहले चरण में प्रत्येक जिले के दो चयनित स्वावलंबी गौठानों में गौमूत्र की खरीदी की जाएगी।

दरअसल, प्रदेश मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसी साल अप्रैल-मई में गोमूत्र खरीदी की घोषणा की थी। इसके बाद कृषि विभाग ने कामधेनु विश्वविद्यालय और इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय से गोमूत्र के वैल्यू एडिशन पर एक अध्ययन कराया। इसके बाद इसकी चरणबद्ध तरीके से शुरुआत की जा रही है। सरकार इस योजना के जरिए मवेशी पालन से जुड़े लोगों की कमाई के स्रोत बढ़ाने और ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा देना चाहती है।

वहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है।

पारंपरिक त्यौहार हरेली से होगी शुरुआत

छत्तीसगढ़ की पारंपरिक त्यौहार हरेली 28 जुलाई को मनाया जाएगा। हर साल राज्य में धूमधाम से हरेली त्यौहार मनाया जाता है। इस बार भी सरकार हरेली त्यौहार को खास तरह से मनाने जा रही है। पहले तो इस दिन सभी स्कूलों बच्चे गेड़ी नृत्य करेंगे इसके लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। दूसरा भूपेश बघेल सरकार गोमूत्र खरीदी योजना का शुभारंभ करेंगे। कांग्रेस सरकार की महत्वाकांक्षी गोधन न्याय योजना की शुरुआत भी हरेली से ही की गई थी। 20 जुलाई 2020 से शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 150 करोड़ रुपए से अधिक की गोबर खरीदी की जा चुकी है। गोबर से गौठानों में अब तक 20 लाख क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर प्लस कम्पोस्ट बनाया जा चुका है। वर्मी खाद का निर्माण एवं विक्रय से महिला स्व-सहायता समूहों और गौठान समितियों को 143 करोड़ से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

सरकार इसलिए खरीद रही है अब गौमूत्र

गोमूत्र की खरीदी से राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे पशुपालकों को गौमूत्र बेचकर अतिरिक्त आय होगी। वहीं महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, कीट नियंत्रक उत्पाद आदि तैयार किए जाने से रोजगार का जरिया मिलेगा। इन जैविक उत्पादों का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में लागत कम होगी।

खास खबर

महाराष्ट्र का सियासी मामला अब एक अगस्त को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र का सियासी मामला उलझता ही जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई के लिए बड़ी बेंच गठित कर सकता है। बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई एनवी रमना ने इसके संकेत दिए। उन्होंने कहा, मामले की सुनवाई के लिए एक बड़ी बेंच की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि बेंच किस तरह की हो, उस पर विचार कर बेंच का गठन करनें में कुछ समय लग सकता है। इस बीच शिंदे गुट के वकील हरीश साल्वे ने उद्धव गुट की याचिकाओं का जवाब दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि सभी पक्ष अपनी लिखित दलीलें जमा करें। आपस मे चर्चा कर सुनवाई के बिंदुओं का एक ही संकलन जमा करें। इस मामले में अगली सुनवाई एक अगस्त को होगी।

दरअसल, महाराष्ट्र में दोनों खेमे (एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे) अपने-अपने विधायकों की विधायकी बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उद्धव खेमे की ओर से शिंदे गुट के 15 विधायकों को अयोग्यता का नोटिस दिए जाने के बाद शिंदे खेमे के स्पीकर की ओर से उद्धव खेमे के विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू की गई है।

आपरेशन शिवनाथ सफलः लोकल मछुआरों की मदद से शिवनाथ में गिरी कार तीसरे दिन मिली

- सफल रहा एसडीआरएफ व एनडीआरएफ का रेस्क्यू
- कार में सवार लोगों की नहीं हो सकी पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग के शिवनाथ नदी में रविवार की रात को गिरी कार की तलाश आज तीसरे दिन पूरी हो गई। एसडीआरएफऔर एनडीआरएफ की टीम ने आज सुबह तीन लोकल मछुआरों को साथ लेकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया था, जो दोपहर बाद सफल हो गई। लेकिन समाचार छपे जाने तक घटना के 60 घंटे बाद भी कार में सवार लोगों की न तो पहचान उजागर हो सकी है और न ही उनकी संख्या का पता चल पाया है।

रविवार की रात को शिवनाथ नदी के पुराने पूल से अनियंत्रित होकर गहरे पानी में गिरने से लापता

कार की तलाश आज स्थानीय मछुआरों के साथ शुरू की गई। इसके पहले सोमवार और मंगलवार को एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम ने सुबह से शाम तक प्रयास किया, लेकिन नदी में गिरी कार का कोई सुराग नहीं मिल पाया था। रेस्क्यू टीम ने छह बोट लेकर नदी में सर्चिंग किया। इस दौरान पानी के अंदर कैमरे भी डाले गए। लेकिन पानी मटमैला होने से कार दिखाई नहीं दिया। मैगनेट का भी उपयोग सफल नहीं हो सका। एसपी डॉ अभिषेक पल्लव भी रेस्क्यू टीम के साथ बोट में सवार होकर सर्चिंग में हिस्सा लिया। सफलता नहीं मिलने पर आज फिर नई योजना के तहत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जो कि सफल रहा।

आज एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम तीन स्थानीय मछुआरों को लेकर नदी में उतरी। स्थानीय मछुआरों को नदी की अलग अलग जगह पर गहराई सहित अन्य बातों की जानकारी है। इससे मदद मिलने की उम्मीद के साथ एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम छह बोट के साथ आज के अभियान को गति प्रदान की। वहीं लगभग एक घंटे पानी के अंदर कार मौजूदगी का पता लगा लिया गया। वहीं नदी में गहराई अधिक होने से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही थी। वहीं अब कार को निकालने की रेस्क्यू जारी है।

इधर लगभग 60 घंटे के बाद भी कार में सवार लोगों की पहचान नहीं हो पाना इस घटना का सबसे अहम पहलू बना हुआ है। पुलिस ने आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के आधार पर कार में सवार लोगों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। कार के बाहर आने के बाद उसके नंबर के आधार पर आरटीओ से पता लगाकर वाहन मालिक की पहचान की जाएगी, जिससे कार में सवार लोगों की भी पहचान हो सकेगी।

एयरपोर्ट कस्टम टीम की बड़ी कार्रवाई, 10 एयरगन पकड़ीं नकदी समेत अन्य सामान जब्त

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सरोजनीनगर के अमौसी स्थित चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के अंतरराष्ट्रीय टर्मिनल पर कस्टम टीम ने छापा मारा। वहां एक यात्री के पास से 10 एयरगन और आर्म्स एसेसरीज बरामद की गई हैं। यात्री को कस्टम टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। एयरगन और अन्य सामान को जब्त कर जांच के लिए भेजा है। यूपी-उत्तराखंड के कस्टम कमिश्नर वेद प्रकाश शुक्ला के मुताबिक, यात्री को संदेह के आधार पर रोका गया था। विदेश से आने वालों के पास यदि कोई कीमती या प्रतिबंधित सामान है तो इसका घोषणापत्र भरना होता है। बिना इसे भरे यात्री ग्रीन चैनल से निकल रहा था। यात्री के पास बरामद 10 एयरगन के वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं मिला। बरामद सामान की कुल कीमत करीब 20 लाख 54 हजार रुपये है। ऐसे में कस्टम एक्ट, बैगेज रूल्स और आर्म्स रूल्स के तहत उसे गिरफ्तार कर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आर्थिक अपराध के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। वहीं आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

राज्य शासन ने जारी किया आदेश

रिसाली नगर निगम को मिले 8 एल्डरमैन, 2 लोगों को दोबारा मौका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के रिसाली नगर निगम में राज्य शासन ने एल्डरमैन की नियुक्ति कर दी है। नए बने रिसाली निगम में 8 माह बाद एल्डरमैन की नियुक्ति की गई। गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू के समर्थकों को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की ओर से जारी आदेश में नामांकित पार्षदों की नियुक्ति छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 9 उपधारा की शक्तियों का पालन करते की गई है। रिसाली सीएम भूपेश बघेल का गृह जिला है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के उप सचिव एचआर दुबे के हस्ताक्षर से जारी आदेश में राज्य सरकार ने नगर पालिक निगम रिसाली के लिए 8 एल्डरमैन की नियुक्त आदेश जारी किया है। राज्य शासन ने संगीता सिंह, तरुण बंजारे, शिशिर कुमार साहू, अजीत यादव, मो. निजाम, संध्या वर्मा, संतू दास और जी. राहुल कुमार को एल्डरमैन बनाया है। इनमें से संगीता सिंह और तरुण बंजारे को दोबारा मौका दिया गया है।

रिसाली निगम में कांग्रेस पार्टी का महापौर

बता दें कि एल्डरमैन को नामांकित पार्षद भी कहा जाता है। भिलाई नगर निगम से अलग कर रिसाली निगम को बनाया गया। निगम गठन के बाद यहां चुनाव होने से पहले एल्डरमैन की नियुक्ति हुई थी। निगम का कामकाम प्रशासनिक अधिकारियों के साथ ही एल्डरमैन के जिम्मे था। निगम बनने के बाद हुए पहले चुनाव में कांग्रेस की जीत मिली है। इस निगम में कांग्रेस के महापौर हैं। चुनाव के बाद लंबे समय से एल्डरमैन को लेकर कवायद की जा रही थी। एल्डरमैन बनने दावेदार अधिक थे। मंगलवार को राज्य शासन ने यहां एल्डरमैन नियुक्त कर दिए।

बस्तर की संस्कृति और ग्रामीण परिवेश की थीम पर आधारित है मुख्यमंत्री का विधानसभा कार्यालय कक्ष

- छत्तीसगढ़ राज्य की लोकसंस्कृति, लोकनृत्य, बस्तर आर्ट एवं ग्रामीण परिवेश का बेहद खूबसूरती से किया गया समावेश
- लोक निर्माण विभाग के द्वारा किया गया है सौंदर्यीकरण कार्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा में अपने कार्यालय कक्ष के सौंदर्यीकरण कार्य का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री के विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष को पूरी तरह से छत्तीसगढ़ की ग्रामीण सभ्यता एवं बस्तर की संस्कृति की थीम पर तैयार किया गया है। कार्यालय कक्ष का प्रवेश द्वार गांव के किसी घर के प्रवेश द्वार का अहसास दिलाता है। कार्यालय कक्ष के प्रवेश पर बस्तर के परंपरागत आदिवासी नृत्यों को उकेरा

गया है जिससे बस्तर की संस्कृति का सजीव अहसास होता है। बस्तर आर्ट के साथ ही छत्तीसगढ़ के वनोपज पर आधारित कलाकृतियां भी उकेरी गयी हैं।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे, गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, वनमंत्री मोहम्मद अकबर, नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार, विधायक श्री मोहन मरकाम, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, अपर मुख्य सचिव श्री सुब्रत साहू, लोक निर्माण विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी उपस्थित थे।

कक्ष के सौंदर्यीकरण कार्य में छत्तीसगढ़ राज्य की लोकसंस्कृति, लोकनृत्य, बस्तर आर्ट एवं ग्रामीण परिवेश का बेहद खूबसूरती से समावेश किया गया है। मुख्यमंत्री के कक्ष में छत्तीसगढ़ महतारी की फोटो लगायी गयी है जो राज्य के प्रति प्रेम एवं श्रद्धा को दर्शाता है। सभा कक्ष में दीवार पर राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार..' भी उकेरा गया है। कक्ष की दीवार पर गौर सींग, बस्तर की विश्व प्रसिद्ध बेल मेटल की आदिवासी लोकनृत्य करते हुये कलाकृतियां लगी हैं जिसमें हमारे राज्य की समृद्ध लोकसंस्कृति दिखती है। छत्तीसगढ़ राज्य वनों से आच्छादित एवं जैव-विविधता से परिपूर्ण है। इसलिये कक्ष के सौंदर्यीकरण में लगायी गयी तस्वीरों में वृक्षों, पशु-पक्षियों को प्रमुखता से दिखाया गया है।

बढ़ने लगा कोरोना का संक्रमण, 595 नए मरीज मिले, एक्टिव केस 3 हजार से ऊपर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कोरोना संक्रमण की बढ़ती रफ्तार ने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। मंगलवार को प्रदेश में 595 नए मरीज मिले हैं। इसके साथ ही एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 3043 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा 546 रायपुर व 541 एक्टिव केस दुर्ग जिले में हैं। राज्य शासन ने कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए राज्य की सीमाओं और सभी एयरपोर्ट पर कोविड जांच अनिवार्य किया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने कोविड गाइडलाइंस का सख्ती से पालन करने, वैक्सीनेशन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

राज्य कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के मुताबिक मंगलवार को 14 हजार 833 सैंपलों की जांच की गई, जिसमें 595 नए संक्रमित मिले हैं। रायपुर जिले में सबसे ज्यादा 96 मरीजों की पुष्टि हुई है। पिछले 24 घंटे में 356 लोगों ने होम आइसोलेशन पूरा किया है। वहीं 30 लोग हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हुए हैं। प्रदेश में पॉजिटिविटी दर 3.58 प्रतिशत से बढ़कर 4.01 प्रतिशत हो गई है। छत्तीसगढ़ में कोरोना से अब तक 14 हजार 47 लोगों की जान जा चुकी है। वहीं अब तक 11 लाख 59 हजार 921 लोग संक्रमित हो चुके हैं। पूरे प्रदेश में दुर्ग, रायपुर व राजनांदगांव जिले सबसे हॉट जोन बने हुए हैं।

कंधे पर बैठाओगे तो कान में....ही

दीपक रंजन दास

यूपी-बिहार में एक कहावत है... कंधे पर बैठाए हैं तो क्या कान में मूतोगे? छत्तीसगढ़ में तथाकथित कालोनाइजर, बिल्डर और डेवलपर्स का यही हाल है। ये सभी सरकारी आदमियों के कंधे पर बैठे हैं। जिनके अपने घरों में रोज मकान के डिजाइन को लेकर झगड़ा होता है वो भी फ्लैट डिजाइन कर रहे हैं। सरकारी का हाल तो इससे भी बुरा है। यहां लिविंग रूम ड्ड जिसे आजकल हॉल कहते हैं, भी दस बाई दस के होते हैं। इतने से कमरे में तीन-तीन दरवाजे होते हैं। लिहाजा सरकारी आवासों को लेवाल नहीं मिल रहे और इधर प्राइवेट बिल्डर मलाई छान रहे हैं। निजी पार्टियों की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इनकी पटवारियों से जबरदस्त सेटिंग है। ये सरकारी जमीनों का पता तो लगा ही लेते हैं इन्हें गरीब किसानों को फंसाना भी खूब आता है। कंगला किसान को 5-10 लाख रुपए नगद हाथ में दे दो तो वह पावर ऑफअटार्नी लिख देता है। आज जिधर भी जाओ सड़क किनारे की जमीन पर या तो जमीन बिकाऊ है की तख्ती लगी मिलेगी या फिर एक फोन नंबर लिखा हुआ मिलेगा। धमधा रोड का तो यह आलम है कि दलाल मोटरसाइकिल पर मोल्डेड प्लास्टिक की कुर्सी बांधकर निकल पड़ते हैं। जहां भी छांव मिलती है मोटरसाइकिल को स्टैंड पर लगाकर कुर्सी लगा लेते हैं। मोटरसाइकिल पर प्लाट/फ्लैट बिकाऊ का फ्लैक्स बांध देते हैं। दरअसल, ये दलाल टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के कंधे पर सवार हैं। अब कंधे पर सवार हैं तो कान में मूतना तो बनता ही है। विभाग केवल कागजों पर चलते हैं। बलौदाबाजार जिले से एक खबर आई है कि वहां 246 कालोनियां हैं जिसमें से केवल 26 वैध हैं। 220 कालोनियां अवैध हैं। यह कैसे संभव हुआ? क्या अधिकारियों की आंख में मोतियाबिंद है? या ये जानबूझकर अपनी आंखें बंद रखते हैं। कान में तो पहले ही....। होने को तो कुछ भी हो सकता है पर हकीकत यही है कि सभी साहब दफ्तर में बैठकर कागज खंगालने के एक्सपर्ट हैं। जमीनी हकीकत से इनका कोई लेना देना नहीं। 2014 के बाद यहां कालोनियों का कोई सर्वे नहीं हुआ। जमीन खरीदी जाती है ड्ड अखबारों में विज्ञापन लगते हैं, शहर में बड़े बड़े पोस्टर-होर्डिंग लगते हैं, पर ये उनका संज्ञान नहीं लेते। लें भी तो कैसे? इन बिल्डरों-डेवलपरों की तस्वीरें आए दिन अखबारों में किसी न किसी कद्दावर नेता के साथ छपती हैं। कुछ बिल्डर सस्ते में काम चला लेते हैं। ये अपने नेताओं को उनके जन्मदिन की बधाई सार्वजनिक रूप से देते हैं। बड़े-बड़े पोस्टर, बैनर, फ्लैक्स छपवाकर सड़कों पर टांग देते हैं। विभाग कालोनाइजर को चिट्ठी लिखता है। कालोनाइजर उसे नेताजी को दिखा देता है। बात आई गई हो जाती है और सब मिलकर गाते हैं - चिट्ठी आई है, आई है, चिट्ठी आई है।

संपादकीय

भारतीय मुद्रा की हालत

यह अप्रत्याशित तो नहीं, मगर चिंतित करने वाली खबर जरूर है कि मंगलवार को भारतीय मुद्रा, यानी रुपया अपने निम्नतम स्तर पर आ गया। एक डॉलर के मुकाबले उसकी कीमत 80.05 रुपये आंकी गई। जाहिर है, मुद्रा के मूल्य में किसी गिरावट का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है और पहले से ही असह्य महंगाई से जूझ रहे आम भारतीय के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। हालांकि, सत्ता में बैठे लोग अब भी कह रहे हैं कि अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में रुपये की स्थिति बहुत बेहतर है, इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था बुनियादी तौर पर मजबूत है। चिंता की बात यह है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने खुद लोकसभा में यह माना है कि दिसंबर 2014 से अब तक देश की मुद्रा 25 प्रतिशत तक गिर चुकी है। ऐसे में, महंगाई से फौरन छुटकारा मुश्किल दिख रहा है, क्योंकि इस गिरावट से आयात महंगा हो जाता है, और विदेशी मुद्रा भंडार भी प्रभावित होता है। ऐसे में, भारतीय रिजर्व बैंक के लिए भी ब्याज दरों को लंबे समय तक नीचे रखना कठिन हो जाएगा। गौर कीजिए, पिछले सात महीनों में ही रुपये में करीब सात फीसदी की गिरावट आ चुकी है।

> खासकर जरूरी चीजों की महंगाई को नियंत्रण में रखने को लेकर संवेदनशील रुख अपनाए जाने की आवश्यकता है। पिछले डेढ़ दशक के भीतर ही हमारे देश में इस बात के उदाहरण मौजूद हैं, जब गिरने के बाद भारतीय मुद्रा ने अपना मजबूत मुकाम बनाया था। उन तमाम अनुभवों से सबक लेते हुए देश के आर्थिक परिदृश्य को स्थिरता देने की जरूरत है।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए व्यापक रूप से आयात पर निर्भर है। ऐसे में, रुपये की यह कमजोरी पेट्रो उत्पादों के आयात पर भारी पड़ रही है और अंतत: घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल के मूल्य-निर्धारण पर इसका असर पड़ेगा। सरकार की मुश्किल यह है कि दाम बढ़ाने की उसकी कोई भी कवायद विपक्ष को और अधिक हमलावर होने का अवसर मुहैया करा देगी। रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर पहली बार जीएसटी लगाए जाने के खिलाफ विरोधी पार्टियां पहले ही संसद से सड़क तक सरकार को घेरने में जुटी हैं। फिर महंगाई और बेरोजगारी आम सरोकार के मुद्दे हैं और तीन महीने बाद ही दो राज्यों- हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों ही प्रदेशों में भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में, सरकार के लिए यह चुनौतीपूर्ण स्थिति है। श्रीलंका की उथल-पुथल के बाद पाकिस्तान के पंजाब सूबे के हालिया उप-चुनावों के नतीजों ने जाहिर कर दिया है कि इस पूरे उप-महाद्वीप में महंगाई किस कदर निर्णायक रूप लेती जा रही है। रुपये की मौजूदा स्थिति का एक क्षेत्र में फायदा उठाया जा सकता है, और वह है निर्यात का क्षेत्र। लेकिन दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं इस समय भारी अस्थिरता की शिकार हैं, महामारी के बाद यूक्रेन-रूस युद्ध ने विश्व अर्थव्यवस्था की हालत पतली कर दी है। इससे एक तरफजहां मांग में कमी आई है, तो दूसरी तरफआपूर्ति शृंखला भी बाधित हुई है। फिर भारत खाद्यान्न निर्यात को विस्तार नहीं दे सकता, क्योंकि उसकी अपनी घरेलू जरूरतें बड़ी हैं। हाल में उसे गेहूं निर्यात पर रोक लगानी पड़ी है। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के नीति-नियंताओं के लिए यह वाकई कठिन परीक्षा की घड़ी है। उन्हें देश के खजाने की मजबूती भी बनाए रखनी है और आम लोगों की थाली का भी ख्याल रखना है। खासकर जरूरी चीजों की महंगाई को नियंत्रण में रखने को लेकर संवेदनशील रुख अपनाए जाने की आवश्यकता है। पिछले डेढ़ दशक के भीतर ही हमारे देश में इस बात के उदाहरण मौजूद हैं, जब गिरने के बाद भारतीय मुद्रा ने अपना मजबूत मुकाम बनाया था। उन तमाम अनुभवों से सबक लेते हुए देश के आर्थिक परिदृश्य को स्थिरता देने की जरूरत है।

कल्पना कीजिए, यदि देश की 50 फीसदी आबादी (किसान) के हाथों में पैसा आता है, तब वह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए कितना फायदेमंद होगा। जाहिर है, देश को आर्थिक तरक्की करनी है, तो 'सबका साथ, सबका विकास' संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्द हमें जमीन पर उतारने होंगे, और किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत देकर उनका साथ देना होगा। तभी सभी का विकास हो सकेगा।

कहीं महंगाई और न बढ़ा दे जीएसटी

देविंदर शर्मा, कृषि विशेषज्ञ

पैकेट बंद आटा, चावल, दही, लस्सी जैसे खाद्य पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाने के बाद इन तमाम उत्पादों के दाम बढ़ गए हैं। अभी तक हम महंगाई को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और थोक मूल्य सूचकांक के पैमाने पर नापते रहे हैं, मगर अब लगता है कि इसमें जीएसटी का तीसरा मापक भी जोड़ देना चाहिए और यह पता करना चाहिए कि जीएसटी से कितनी महंगाई बढ़ी है? इससे यह धारणा भी टूटेगी कि महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह किसान हैं, क्योंकि सरकार की तरफसे कथित तौर पर उन्हें कई तरह के समर्थन दिए जाते हैं। चूंकि अब जीएसटी के दायरे में गेहूं, धान, राई, बार्ली, ओट्स ही नहीं, बल्कि लस्सी, दही, छाछ, पनीर जैसे तमाम उत्पाद आ गए हैं, इसलिए उपभोक्ताओं को यह जानने का हक होना ही चाहिए कि इस टैक्स व्यवस्था ने उनके घर का बजट कितना बिगाड़ा है?

असल में, जीएसटी किसानों के लिए भी परेशानी का कारण है। इससे उनके कृषि उपकरण तो महंगे हो ही गए हैं, उनकी लागत बढ़ गई है। विशेषकर हिमाचल प्रदेश में सेब उत्पादन करने वाले किसान तो इसलिए आंदोलित हैं, क्योंकि फलों के डिब्बे पर भी जीएसटी लग गया है। जाहिर है, दुग्ध उत्पादों को जीएसटी के दायरे में लाने के बाद डेयरी उद्योग पर भी तमाम तरह के संकट आएंगे। मगर विडंबना है कि इस मूल्य-वृद्धि से किसानों को कोई लाभ नहीं होने वाला।

देश में जब जीएसटी की शुरुआत हुई थी, तब राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) की एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया गया था कि इससे सभी सेक्टर को फायदा होगा। मगर उस वक्त भी मैंने यह अंदेशा जताया था कि सारी मलाई उद्योग जगत चट कर जाएगा, और उपभोक्ताओं के हिस्से कुछ नहीं आएगा। आज हम साफ-साफ देख रहे हैंकि जीएसटी का फायदा मूलत: उद्योग जगत को ही मिला। एक्साइज ड्यूटी, वैट, लग्जरी टैक्स, सेल टैक्स जैसे तमाम कर या तो खत्म कर दिए गए या जीएसटी में शामिल कर दिए गए। इससे कारोबारी घराने फायदे में रहे, पर तमाम करों का बोझ उपभोक्ताओं के कंधे पर आ गया।

जीएसटी के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि यह देश के 160 देशों में लागू है, लेकिन सच यह भी है कि इससे ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय संघ जैसी अर्थव्यवस्थाएं संकट में हैं और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा जैसे तमाम देशों में महंगाई बढ़ी है। दावा किया जाता है कि जीएसटी से महंगाई कुछ समय तो बढ़ती है, पर दीर्घावधि में इसका फायदा होता है। मगर यह भी सिर्फ शब्दों की बाजीगरी है, क्योंकि आज अगर जीएसटी के कारण महंगाई में तेज उछाल आती है, तो आने वाले दिनों में इसमें स्थिरता ही आएगी, जिसकी वजह से महंगाई का आधार बढ़ जाएगा। जाहिर है, उपभोक्ताओं को जीएसटी से राहत मिलने के शब्द बस आश्वासन हैं, इनका हकीकत से कोई वास्ता नहीं।

जीएसटी में हुए नए बदलाव के बाद अब देश का हर नागरिक किसी न किसी रूप में टैक्स चुकाने को मजबूर है। पहले कहा जाता था कि वेतनभोगी तबका ही कर देता है, जिससे देश चलता है, मगर आज स्थिति यह है कि कोई मजदूर यदि एक जोड़ी चप्पल भी खरीदता है, तो उसे पांच फीसदी टैक्स चुकाना पड़ता है। इसका अर्थ है कि टैक्स की नई व्यवस्था ने सभी के लिए कर चुकाना अनिवार्य बना दिया है।

इसके समर्थक यह भी कहते हैं कि इससे किसानों को फायदा होगा। यह बात भी सही नहीं है, क्योंकि एक उद्योगपति जब टैक्स चुकाता है, तो कहीं न कहीं उसकी 'रिकवरी' कर लेता है, किसानों को यह सुविधा हासिल नहीं होती। कृषि उपकरण से उनकी फसल-लागत जरूर बढ़ गई है, पर उनके पास ऐसा कोई माध्यम नहीं कि वे इस लागत की भरपाई कर सकें।

सरकार ने 23 सदस्यों की एक कमेटी बनाई है, जो किसानों को मदद करने संबंधी उपायों की सिफारिश करेगी। दरअसल, किसान आंदोलन के बाद सरकार ने कहा था कि वह ऐसी कमेटी बनाएगी, जो यह जानने के प्रयास करेगी कि एमएसपी को किस तरह से प्रभावी बनाया जाए या किसानों की लागत कैसे कम की जाए? इस कमेटी का एक मकसद यह पता लगाना भी है कि देश के सभी किसानों तक किस तरह से एमएसपी का लाभ पहुंचाया जाए? गौरतलब है कि शांता कुमार की रिपोर्ट बताती है कि देश के छह फीसदी किसानों को ही न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ मिलता है। शेष 94 फीसदी किसान बाजार के हवाले हैं। यदि बाजार इतना ही अच्छा होता या किसानों का भला करता, तो आज खेती पर संकट पैदा ही नहीं होता।

साफ है, आज हमें एमएसपी बढ़ाने की जरूरत है। कोशिश यह होनी चाहिए कि देश के हरेक किसान को इसका लाभ मिले। इसके लिए सबसे पहले हमें मंडियों का विस्तार करना होगा। अभी देश भर में तकरीबन 7,000 कृषि उत्पाद बाजार समिति (एपीएमसी) मंडी हैं, जिनको बढ़ाकर 42,000 करना होगा। इसके अलावा, सरकार अभी 23 फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित करती है। मगर इसका लाभ सिर्फ कागजों पर मिलता है, असल में धान, गेहूं और कुछ हद तक कपास किसानों को ही इसका फायदा मिल पाता है। ऐसे में, जरूरी यह भी है कि सभी 23 फसलों पर किसानों को एमएसपी का कानूनी अधिकार मिले, ताकि न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर फसलों की कोई सरकारी या निजी खरीद न हो सके।

अगर ऐसा हो सका, तो निस्संदेह किसानों की आमदनी बढ़ेगी, जिसका फायदा अंतत: अर्थव्यवस्था को होगा। याद कीजिए, जब सातवां वेतन आयोग लागू हुआ था, तब देश की पांच-छह फीसदी आबादी को ही इसका लाभ मिला था, उस वक्त उद्योग जगत ने कहा था कि सरकार का यह कदम देश की अर्थव्यवस्था के लिए 'बूस्टर' का काम करेगा, क्योंकि पैसा आने के बाद लोग बाजार में उसे खर्च करेंगे। कल्पना कीजिए, यदि देश की 50 फीसदी आबादी (किसान) के हाथों में पैसा आता है, तब वह हमारी अर्थव्यवस्था के लिए कितना फायदेमंद होगा। जाहिर है, देश को आर्थिक तरक्की करनी है, तो 'सबका साथ, सबका विकास' संबंधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्द हमें जमीन पर उतारने होंगे, और किसानों को उनकी फसल की उचित कीमत देकर उनका साथ देना होगा। तभी सभी का विकास हो सकेगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शून्य से आती बेहद सुकून देती आवाज का जाना

अमिताभ श्रीवास्तव, वरिष्ठ पत्रकार

ऋषिकेश मुखर्जी की फिल्म आलाप का एक गीत है, जयदेव का रचा हुआ आई ऋतु सावन की, पिया मोरा जाए रे। स्त्री स्वर में गीत के मुखड़े के बीच से अचानक भूपिंदर की आवाज उभरती है, बैरन बिजुरी चमकन लागी, बदरी ताना मारे रे। समूचे गीत में मात्र एक पंक्ति की छोटी-सी उपस्थिति, लेकिन विरह की सघनता को पूरी मार्मिकता के साथ व्यक्त करती हुई, मन में बस जाने वाली। सावन का ही एक गीत है भूपिंदर और प्रीति सागर की आवाज में श्याम बेनेगल की फिल्म भूमिका के लिए सावन के दिन आए सजनवा आन मिलो। हल्की-फुल्की रूमानियत वाला। कैसी विडंबना है कि सावन से जुड़े दो बिल्कुल अलग मिजाज के गीतों में अपनी आवाज का जादू जगाने वाले गायक भूपिंदर सावन के महीने में दुनिया को अलविदा कह गए।

भूपिंदर, जिन्हें भूपी कहा जाता था, एक ऐसी आवाज के मालिक थे, जो सुनने वाले को एक ही वक्त में बेचैनी और राहत से भर सकने की कैफियत रखती थी। किसी शून्य से आती हुई, शून्यता को गुंजाती हुई। अपना घर, कस्बा, शहर, जाने-पहचाने चेहरे, माहौल छोड़कर गमे रोजगार के चलते किसी नई जगह टिकने की जद्दोजहद में जुटे हरेक विस्थापित कोघरौंदा का यह गीत अपने ही दिल की बात लगता है, एक अकेला इस शहर में, रात में और दोपहर में, आबोदाना ढूंढ़ता है, आशियाना ढूंढ़ता है।

अकेलेपन की तकलीफ बयान करती हुई, बहुत सुकून देती हुई भूपिंदर की ठहराव भरी आवाज में कुछ ऐसा अनूठापन था, जो फिल्मी गीतों और गायकों की लोकप्रिय दुनिया में उनके लिए बहुत अलग जगह बनाता था। अमृतसर में जन्मे भूपिंदर जब बरास्ते दिल्ली फिल्मों में आए, या यूं कहें कि संगीतकार मदनमोहन उनका गाना सुनकर उन्हें ले आए थे, तब मोहम्मद रफी और किशोर कुमार जैसे दिग्गज गायक जमे हुए थे। हिंदी फिल्मों में आम तौर पर जिस तरह के रोमांटिक गाने थोक के भाव में होते हैं, भूपिंदर की भारी, गहरी आवाज में उनके लिए पहली पसंद वाला तत्व नहीं था। लेकिन मदनमोहन ने उन्हें दिल्ली में आकाशवाणी के संगीत विभाग के प्रमुख सतीश भाटिया की एक महफिल में गाते सुना, तो चेतन आनंद की फिल्म हकीकत के लिए मुंबई ले आए। युद्ध के दौरान अकेले पड़े सैनिक अपने प्रिय लोगों को किस तरह याद करते हैं, इस भावना पर कैफी आजमी ने गीत लिखा, हो के मजबूर मुझे, उसने भुलाया होगा। इस गाने में भूपिंदर को मौका मिला मोहम्मद रफी, तलत महमूद और मन्ना डे के साथ जुगलबंदी का। एक अंतरे की गायकी में भूपिंदर परदे पर दिखाई भी दिए। चेतन आनंद के भाई देव आनंद की फिल्म ज्वेलथीफ के बेमिसाल गीत होंठों में ऐसी बात मैं दबा के चली आई के लिए एस डी बर्मन ने भूपिंदर की आवाज का इस्तेमाल सिर्फ 'शालू' पुकारने भर के लिए किया। हरे रामा हरे कृष्णा के गाने दम मारो दम में भूपिंदर के गिटार की धुन, यादों की बारात के गाने चुरा लिया है तुमने जो दिल को में फिर गिटार का कमाल, ऐसे छोटे-छोटे टुकड़ों से भूपिंदर की मौजूदगी दर्ज हो चुकी थी।

भूपिंदर फिल्म इंडस्ट्री की किसी चूहा दौड़ का हिस्सा बनने वाली हस्ती थे ही नहीं। उनकी गायकी हरिवंश राय बच्चन की इस मशहूर काव्य पंक्ति की तरह है, पीड़ा में आनंद जिसे हो, आए मेरी मधुशाला। उन्होंने चुनिंदा काम किया, चुनिंदा फिल्म निर्देशकों और संगीतकारों के साथ। मदनमोहन ने फिल्म मौसम में उनसे गुलजार का लिखा गाना गवाया, जो हरेक पीढ़ी के प्रेमियों का पसंदीदा बन गया- दिल ढूंढ़ता है फिर वही फुरसत के रात-दिन।

जयदेव और आर डी बर्मन के साथ उनका काम उनके नफीस चयन का सुबूत है। भूपिंदर अलग मिजाज के खुद्दार फनकार थे, इसलिए पार्श्व गायकी छोड़कर वह गजलों की तरफ मुड़ गए और वहां भी पत्नी मिताली के साथ एक अलग मुकाम हासिल किया। भूपिंदर जैसे लोग अब फिल्म इंडस्ट्री ही नहीं, समूचे समाज से लुप्त होते जा रहे हैं। जमाने का दस्तूर भूपिंदर अपनी आवाज में क्या खूब बयान कर गए हैं- जिसे भी देखिए वो अपने आप में गुम है, जुबां मिली है मगर हमजुबां नहीं मिलता/ कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता, कहीं जमीं तो कहीं आसमां नहीं मिलता।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

कतरा-कतरा
जिंदगी जवानी आये,
मौसम की तरह
बुढ़ापा आये, पतझड़
की तरह और मौत
आये, बिन आहट की
तरह।

-अंजली जैन
7024460938

यशवंत सिन्हा क्या रिकॉर्ड बनाएंगे?

सबको पता है कि राष्ट्रपति के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जीत नहीं पाएंगे। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का जीतना तय है। इसके बावजूद यशवंत सिन्हा ने बहुत कमाल की लड़ाई लड़ी। अपनी तमाम कमियों और सीमाओं के बावजूद उन्होंने कश्मीर से कन्याकुमारी तक विपक्ष को एकजुट करने का काम किया। हालांकि तब भी किसी न किसी मजबूरी से कुछ विपक्षी पार्टियां उनको वोट नहीं दे रही हैं। इसके बावजूद वे सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले विपक्षी उम्मीदवारों की सूची में शामिल हो सकते हैं। उनको 38 फीसदी वोट मिल सकता है। मतदान के दिन तक के आंकड़ों के मुताबिक एनडीए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू के पास 61.6 फीसदी वोट थे। अंतिम नतीजे 21 जुलाई को आएंगे। सिर्फ दो बार विपक्षी उम्मीदवारों को 35 फीसदी से ज्यादा वोट मिले हैं। पहली बार 1967 में निर्दलीय के सुब्बा राव को 43.5 फीसदी वोट मिला था। तब डॉक्टर जाकिर हुसैन 56.2 फीसदी वोट लेकर जीते थे। दूसरी बार 1969 में नीलम संजीव रेड्डी को 49.1 फीसदी वोट मिला था। लेकिन 1969 के चुनाव को सामान्य चुना में नहीं गिना जा सकता है क्योंकि उसमें दोनों उम्मीदवार सत्ता समर्थित थे। कांग्रेस पार्टी ने निर्दलीय उम्मीदवार नीलम संजीव रेड्डी का समर्थन किया था, जबकि इंदिरा गांधी ने निर्दलीय वीवी गिरी को समर्थन दिया था। अब तक के इतिहास के सबसे नजदीकी मुकाबले में वीवी गिरी 50.9 फीसदी वोट लेकर जीते थे और नीलम संजीव रेड्डी को 49.1 फीसदी वोट मिला था। बाद में 1977 के चुनाव में वहीं नीलम संजीव रेड्डी पहले और इकलौते निर्विरोध राष्ट्रपति बने। बहरहाल, 1952 के पहले राष्ट्रपति चुनाव से लेकर 2017 के 14वें राष्ट्रपति चुनाव सिर्फ एक बार किसी भी विपक्षी उम्मीदवार को 35 फीसदी वोट मिला है। पिछले यानी 2017 के चुनाव में विपक्ष की उम्मीदवार मीरा कुमार को 34.35 फीसदी वोट मिले थे। उनसे पहले 2007 के चुनाव में भाजपा के उम्मीदवार भैरोसिंह शेखावत को 34.2 फीसदी वोट मिले थे और 65.8 फीसदी वोट के साथ प्रतिभा पाटिल जीती थीं।

उससे पहले प्रणब मुखर्जी के खिलाफ भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष ने पीए संगमा को उतारा था, जिनको 30.07 फीसदी वोट मिले थे। उनसे पहले शेखावत को 34.4 फीसदी वोट मिले थे। उससे पहले 2002 एपीजे अब्दुल कलाम और 1997 में केआर नारायणन को भाजपा और कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने समर्थन दिया था। दोनों 90 फीसदी या उससे ज्यादा वोट लेकर जीते थे। राष्ट्रपति के पहले तीन चुनावों में विपक्षी उम्मीदवार बहुत कम वोट ले पाए थे। पहले चुनाव में डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद मुकाबले केटी शाह को 15 फीसदी वोट मिले थे। लेकिन उसके बाद 1957 में राजेंद्र प्रसाद के दूसरे चुनाव में और 1962 के एस राधाकृष्णन के चुनाव में विपक्षी उम्मीदवारों को एक से दो फीसदी वोट मिले थे।

140 करोड़ को खिलाएंगे क्या?

हरिशंकर व्यास

सोचें, तकनीकी रूप से दुनिया के दो सर्वाधिक विकसित देश और एक दुनिया के सबसे अमीर देश के समूह में भारत शामिल हुआ और उसकी पहली बैठक हुई तो क्या फैसला हुआ? आई2यू2 यानी इंडिया व इजराइल और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका व यूनाइटेड अरब अमीरात की पहली वर्चुअल बैठक हुआ तो ऐलान हुआ है कि यूएई भारत में फूड पार्क बनाने में 16 हजार करोड़ रुपए का निवेश करेगा। निवेश का पहला फैसला फूड पार्क है और बताया गया है कि इसका मकसद दक्षिण एशिया में भुखमरी और कुपोषण पर काबू पाना है और साथ ही पर्यावरण की रक्षा भी करनी है। जाहिर है कि दक्षिण एशिया में भुखमरी और कुपोषण अफ्रीकी देशों के जैसी हो गई है और जलवायु परिवर्तन चाहे जिसकी वजह से हो रहा है, उसका सबसे बड़ा शिकार दक्षिण एशिया के देश हो रहे हैं। बताने की जरूरत नहीं है कि दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा देश भारत है और अगले साल यह दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश होने जा रहा है। भारत की आबादी 140 करोड़ से ज्यादा हो गई है और इतनी बड़ी आबादी के लिए भोजन का प्रबंध आने वाले दिनों में मुश्किल होने वाला है। अनाज संकट का कोई एक कारण नहीं है, बल्कि कई कारण हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन एक कारण है तो सरकारी नीतियां भी कारण हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण किसान मौसम की मार झेल रहे हैं। पहले भी भारत का किसान मॉनसून की बारिश के सहारे ही खेती करता था और आज भी कर रहा है। आज भी भारत में खेती योग्य जमीन का सिर्फ 49 फीसदी हिस्से में सिंचाई की व्यवस्था है, वह भी जैसे-तैसे। बाकी 51 फीसदी जमीन पर खेती अब भी दक्षिण पश्चिमी मॉनसून की बारिश से होती है। इस साल मॉनसून की बारिश उत्तर प्रदेश और बिहार में नहीं हो रही है तो धान की रोपाई रूकी हुई है। थोड़े से किसानों ने धान रोप दी है तो बारिश की कमी से उनके खेत जल रहे हैं और जिन्होंने अभी तक धान नहीं रोपे हैं वे हैरान परेशान हैं अब कब रोपेंगे। इस बीच किसान संगठनों ने अभी से दोनों राज्यों में सूखे की घोषणा करने की मांग शुरू कर दी है। सोचें, देश के दो बड़े राज्यों में अगर धान की पर्याप्त खेती नहीं होती है तो उन्हें कहां से खिलाया जाएगा?

ऐसा नहीं है कि जिन राज्यों में बारिश हो रही वहां धान या खरीफ की दूसरी फसलों के लिए बहुत अच्छे हालात हैं। वहां की फसल भारी बारिश में बह रही है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना आदि राज्यों में अनुमान से कई गुना ज्यादा बारिश हो रही है। यह अतिरेक जलवायु परिवर्तन के कारण है। जहां अभी बारिश नहीं हो रही है, जैसे बिहार में वहां अगर किसी तरह से किसान फसल रोप लेते हैं तो अगस्त और सितंबर में नेपाल की ओर से जब पानी छोड़ा जाएगा तो बाढ़ आएगी और फसल बह जाएगी।

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 786962023

Sanitary And Pipes Shop
Shree Hanuman Enterprises
Deals In: Sanitary, Hardware, PVC and CPVC Pipes, Water Tanks & Kitchen Sinks etc.
Deepak Kumar Shrivastava
7771831789
7974777438
Meenakshi Nagar, Beside of New Culcutta Sweets, Borsi Road, Durg (C.G.)-491001

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

महक सेनीटेशन
आपके शहर में सेनेटरी का भव्य शोरूम
सी पी फिटिंग व सेनेटरी की भव्य रेंज किफायती दरों में
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें
अनिल गुप्ता मो. 9300280144
शाप नं. 102, 103, किशोर प्लाजा, ग्रीन चौक दुर्ग (छ.ग.)
अनिल गुप्ता, मो. 9300280144

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

A quality Digital Photoshop
Laxmi photo studio
Adarsh Nagar, DURG (C.G.)
9039553151, 9993564499
E-mail - laxmistudio2004@gmail.com

लक्ष्मी ज्वेलर्स
कुशल
9770584111
8959994444
स्टेशन रोड, कर्नाटका बैंक के सामने, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com
WWW.ONLYTDS.COM

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा कम्पोस्ट उत्पादक महिला समूहों को बड़ी सौगात

महिला समूहों को एक रूपए तथा सहकारी समितियों को प्रति किलो कम्पोस्ट विक्रय पर 10 पैसे का बोनस मिलेगा

महिला समूहों को बोनस के रूपए लगभग 17.64 करोड़ और सहकारी समितियों को 1.76 करोड़ रूपए की प्रोत्साहन राशि को होगा भुगतान

कृषि विभाग ने बोनस वितरण के संबंध में जारी किया आदेश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गौठानों में वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट एवं सुपर प्लस कम्पोस्ट का निर्माण कर राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली महिला स्व-सहायता समूहों की बहनों को एक बड़ी सौगात दी है। महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित कम्पोस्ट में से 7 जुलाई 2022 तक बिक चुकी कम्पोस्ट के एवज में प्रति किलो एक रूपए तथा सहकारी समितियों को 10 पैसे के मान से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। बोनस वितरण के संबंध में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग मंत्रालय द्वारा आज 19 जुलाई को आदेश जारी किया गया।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गौठानों से जुड़कर कम्पोस्ट निर्माण कर रही महिला स्व-सहायता समूहों को 7 जुलाई 2022 तक बिक चुकी कम्पोस्ट के एवज में बोनस दिए जाने की मंशा जताई थी। इस संबंध में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 7 जुलाई 2022 को आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णय के परिपालन में कृषि विभाग मंत्रालय द्वारा विविधत आदेश जारी किया गया है। इस आदेश के तहत महिला समूहों द्वारा उत्पादित कम्पोस्ट में से 7 जुलाई 2022 तक विक्रय किए गए लगभग 17.64 लाख क्विंटल की मात्रा के एवज में महिला समूहों को 17 करोड़ 64 लाख तथा प्राथमिक सहकारी समितियों को 01 करोड़ 76 लाख रूपए की राशि प्रोत्साहन के रूप में दी जाएगी। प्रोत्साहन की यह राशि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा गोधन न्याय योजना के बजट प्रावधान से किया जाएगा। गोधन न्याय योजना के लिए वर्ष 2022-23 के बजट में 175 करोड़ रूपए का प्रावधान है। यहां यह उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना की शुरूआत 20 जुलाई 2020 को हरेली पर्व के दिन से राज्य में हुई थी। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से 2 रूपए किलो में गोबर की खरीदी गौठानों में की जा रही है। अब तक 76 लाख क्विंटल से अधिक की गोबर खरीदी की जा चुकी है, जिससे महिला समूहों द्वारा अब तक 16.81 लाख क्विंटल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, 5.16 लाख से अधिक सुपर कम्पोस्ट तथा 18 हजार 924 क्विंटल सुपर प्लस कम्पोस्ट का उत्पादन किया गया है, जिसमें से तीनों प्रकार के कम्पोस्ट की कुल 17.64 लाख की मात्रा का विक्रय हो चुका है। इसके एवज में महिला समूहों और प्राथमिक सहकारी समितियों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। गौरतलब है कि महिला स्व-सहायता समूहों को वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण के लिए 3 रूपए 27 पैसे प्रति किलो के मान से लाभांश तथा प्रति किलो पैकेजिंग पर 65 पैसे मिलते हैं।

7 जुलाई 2022 तक बिक चुकी कम्पोस्ट की प्रति किलो मात्रा पर एक रूपए का बोनस मिलने से महिला समूहों को अतिरिक्त लाभ होगा। इस प्रकार देखा जाए कि महिला समूहों को कम्पोस्ट निर्माण का लाभांश, पैकेजिंग और प्रोत्साहन राशि को मिलाकर प्रति किलो 4 रूपए 92 पैसे की राशि मिल रही है, जो वर्मी कम्पोस्ट के विक्रय मूल्य के 50 प्रतिशत के करीब है।

निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने वैशाली नगर क्षेत्र का किया निरीक्षण

सड़क पर कचरा फैलाकर व्यवसाय करने वाले व्यवसायी को दी गई समझाइस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर आज प्रात: निरीक्षण के दौरान वैशाली नगर क्षेत्र में ओम शांति ओम चौक के समीप पहुंचे, वहां पर उन्होंने प्रमुख सड़क के किनारे नारियल के खोटले को पड़ा हुआ देखा, आयुक्त ने कचरा फैलाने वाले की जानकारी प्राप्त की। बाजू में ही नारियल का व्यापार करने वाले के द्वारा नारियल के उपयोग उपरांत कचरा फैलाना पाया गया, निगमायुक्त ने चेतावनी देते हुए व्यापारी को समझाइश दी।

उन्होंने कहा कि आसपास की स्वच्छता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है, कचरा को इधर-उधर न फेंककर निर्धारित सफाई वाहन को देवे, उन्होंने कहा कि दोबारा कचरा फेंकते पाए जाने पर जुर्माना सहित अन्य नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। ओम शांति ओम चौक से एकता चौक की ओर जाने वाले रास्ते पर डिवाइडर में उन्होंने अनावश्यक झाड़ियों की सफाई कराकर वृक्षारोपण करने के निर्देश भी दिए।

शराब भट्टी के समीप उन्होंने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया, समीपस्थ कुछ लोगों द्वारा इस खाली मैदान में कचरा डालने की शिकायत प्राप्त हुई है, जिसको देखते हुए आयुक्त ने कचरा डालने वालों पर जुर्माना लगाने के निर्देश दिए हैं। निगमायुक्त ने डोर टू डोर कचरा कलेक्शन एवं सेग्रीगेशन के लिए अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के बारे में स्पॉट में ही जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इस खाली स्थान की नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी होती रहे और कचरा डालने वालों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करें।

ओम शांति ओम चौक के समीप बाजार क्षेत्र का भी उन्होंने निरीक्षण किया उन्होंने यहां पर नाली निकासी की व्यवस्था भी देखी। निगमायुक्त ने पब्लिक फीडबैक लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जोन स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा मौजूद रहे।

खास खबर

बकायेदारों से राशि वसूलने भिलाई निगम करेगा कुर्की

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने राजस्व एवं संपत्तिकर की जानकारी ली, उन्होंने बकायादारो से वसूली नहीं होने को लेकर अधिकारियों को कुर्की से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से राशि नहीं देने वाले बकायेदारों से राशि वसूलने के लिए सीधे कुर्की की कार्यवाही करें। इसके लिए दल का गठन भी आयुक्त ने कर दिया गया है। कुर्की पर अब सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। कुर्की अभियान की जल्द ही शुरुआत होगी और स्पॉट पर जाकर अधिकारी संपत्तिकर एवं अन्य टैक्स की वसूली करेंगे। बकाया राशि को वसूलने के लिए सभी जोन आयुक्त को दल में शामिल किया गया है। गठित दल में जोन आयुक्त मनीष गायकवाड, पूजा पिल्ले, ऐशा लहरें, अमिताभ शर्मा, एन आर रत्नेश, प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी परमेश्वर चंद्राकर, प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, मलखान सिंह सोरी, बालकृष्ण नायडू एवं जेपी तिवारी को बकाया राशि वसूली के लिए गठित दल में शामिल किया गया है। यह दल नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत स्थित भवन भूमियों पर बकाया राशि की वसूली के लिए नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 175 के तहत जारी किए गए कुर्की वारंट पर कार्रवाई करेंगे। जिन बकायेदारों को कुर्की वारंट जारी किया गया है और जिन्होंने अब तक राशि जमा नहीं की है उन पर अब निगम सख्त रवैया अपनाने जा रहा है, और सीधे बकायेदारों के पास पहुंचकर उनकी संपत्ति को कुर्क करने की कार्यवाही की जाएगी और इससे राशि की वसूली की जाएगी। कुर्की की पूरी सामग्री लेकर चलेगी टीम गठित दल कुर्की के लिए पूरी सामग्री लेकर निकलेगी। कुर्की के लिए आवश्यक सामग्री हेतु पर्याप्त मात्रा में सुपुर्दगी नामा पत्रक, कुर्क पत्र एवं सील/मोहर, स्टेशनरी आदि भी साथ में रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें दी श्रद्धांजलि

डॉ.खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने और छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाले अग्रणी नेता थे: मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें दी श्रद्धांजलिमुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा है कि डॉ.खूबचंद बघेल छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने और छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने वाले अग्रणी नेता थे। छत्तीसगढ़ के खान पान, रहन-सहन, बोली, भाषा को ऊपर उठाने में हमारे जिन महापुरुषों ने योगदान दिया, उनमें डॉ. खूबचन्द बघेल सदैव अग्रणी रहे। उन्होंने जीवनभर किसानों, आदिवासियों के हितों की रक्षा और उनके उत्थान के लिए संघर्ष किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल आज राजधानी रायपुर में आयोजित डॉ. खूबचंद बघेल जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। जयंती समारोह का आयोजन फूल चौक स्थित व्यावसायिक परिसर में किया गया। उन्होंने डॉ. खूबचंद बघेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

संसदीय सचिव विकास उपाध्याय, महापौर रायपुर एजाज ढेबर, छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के केंद्रीय अध्यक्ष श्री चोवाराम वर्मा, पूर्व राज्यसभा सदस्य श्रीमती छाया वर्मा सहित समाज के अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ महतारी के सच्चे सपूत थे। उनकी गिनती छत्तीसगढ़ के प्रथम पंक्ति के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों में होती है। वे ऐसे बिरले फ्रीडम फाइटर रहे, जिनकी मां एवं पत्नी तथा स्वयं उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जेल की यात्राएं की । डॉ. बघेल एक अच्छे राजनेता रहे, उन्होंने विधायक, सांसद, संसदीय सचिव, नेता प्रतिपक्ष जैसे पदों में रहते हुए विधानसभा और लोकसभा में आम जनता की आवाज बुलंद की। उन्होंने पंक्ति तोड़ो, नाता जोड़ो का नारा देकर समाज में व्याप्त विसंगतियों और कुरीतियों को दूर करने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए पहली आवाज डॉ. खूबचंद बघेल ने उठाई। समाज मे जहां भी शोषण, अत्याचार हुए डॉ. साहब ने विरोध किया। उन्होंने सदैव आदिवासी, मजदूर, किसान वर्ग पर होने वाले अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई।

डॉ. बघेल छत्तीसगढ़ के पहले एकांकी लेखक थे। उन्होंने ऊंच-नीच, जनरैल सिंह, करम छड़हा जैसी अनेक रचनाएँ लिखी। उन्होंने नाटक भी लिखा और साथ ही उनमें अभिनय भी किया। डॉ. बघेल एक अच्छे किसान एवं चिकित्सक थे। साथ ही सहकारिता के क्षेत्र में भी उन्होंने अपना योगदान दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार डॉ.खूबचंद बघेल के बताए रास्ते पर चलते हुए किसानों, आदिवासियों के उत्थान के लिए काम कर रही है। छत्तीसगढ़िया स्वाभिमान को जगाने और अपनी संस्कृति को नई पहचान दिलाने का काम कर रही है। हमारी संस्कृति से जुड़े हरेली, तीजा जैसे त्यौहारों और गेड़ी, भौंरा जैसे खेलों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल के छत्तीसगढ़ की संस्कृति को आगे बढ़ाने के काम में योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि बासी के बारे में जो हमारी हीनता है, संकोच है उसे दूर करने के लिए डॉ. बघेल ने कविता लिखी थी कि 'बासी के गुण कहूं कहां' तक, इसे न टालो हासी में, बिकट विटामिन भरे हुए हैं, छत्तीसगढ़ के बासी म'। हमने एक मई, मजदूर दिवस को बोरे-बासी दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। डॉ. बघेल ने किसान, मजदूर आदिवासी समाज के उत्थान के लिए जो स्टैंडर्ड तैयार किया है, जो लकीर खींची है, वो आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने जीवन भर किसानों के हित के लिए लड़ाईयां लड़ी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भी उनके नक्शे कदम पर चलते हुए इन वर्गों के लिए कार्य कर रही है। आज हमारा अन्नदाता किसान खुश है, किसानों को उपज का सबसे ज्यादा मूल्य छत्तीसगढ़ में मिल रहा है। भूमिहीन श्रमिकों को 7 हजार रुपए की सलाना मदद की जा रही है। आदिवासियों के उत्थान के लिए समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली लघु वनोपज 7 से बढ़कर अब 65 कर दी गई है। इन लघु वनोपज से बनने वाले उत्पादों की संख्या 150 से बढ़कर 600 हो गयी है। जिनकी बिक्री गाँव के साथ ही सी-मार्ट के जरिये शहरों में भी होने लगी है। अब स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा बनाए गए उत्पाद सी-मार्ट में विक्रय किया जा रहा है।

जैविक खाद बना महिला समूह का सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन तथा नरवा, गरवा, गुरूवा तथा बाड़ी के अंतर्गत पशुओं के गोबर से जैविक खाद की परिकल्पना कर के अपने सपनो को उड़ान दे रही है उन्होंने बतलादिया कि अगर कोई कार्य सामूहिक रूप से किया जाए तो उससे भी अच्छी तरह से आमदनी प्राप्त किया जा सकता है।

विध्वाशनी महिला स्व सहायता समूह, ग्राम डोटोपार, ब्लॉक-गुरुर, जिला - बालोद महिला समुह सक्रिय हैं यहां खेती बाड़ी के साथ साथ अन्य कार्य संलग्न रहती है जो कि जानकारी के अभाव मे संसाधन का उपयोग नही कर पा रहे थे इसके चलते समूह धीरे धीरे अपने रास्ते से भटक रहे थे ऐसे मे समूह की अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती वर्मा को कोरोना काल मे रिलायंस फाउंडेशन द्वारा हो रहे कार्यक्रम के बारे मे जानकारी मिली उसके पश्चात अध्यक्ष श्रीमति सरस्वती वर्मा जी ने प्रोग्राम सपोटर से संपर्क करके अपने समुह के बारे मे बतलाया। उसके बाद डोटोपार मे 10/07/2021 को ऑडियो कंफ्रेंस के माध्यम से कृषि वैज्ञानिक उगेंद्र पांडे के साथ ऑडियो कंफ्रेंस रखा गया जिसमे गोबर खाद बनाने के बारे में जानकारी दी तथा गोबर खाद को केचुआ खाद बनाने की जानकारी दी जिससे अधिक से अधिक दर पर जैविक खाद को बेचकर अपने समूह को संचालित कर सके, इसके पश्चात महिला समूह की अनेकता मे एकता का प्रमाण देते हुए उन्होंने जैविक खाद बड़े पैमाने पर बनाने निर्णय लिया और रिलायंस फाउंडेशन द्वारा मिली जानकारी का उपयोग करते हुए उन्होंने 15 टन जैविक खाद का निर्माण दिसम्बर 2021 मे किया जिसको सहकारी समिति के माध्यम से बेचकर 100,000 रुपए प्राप्त हुआ इसमे उपयुक्त संसाधन जैसे की गोबर, केचुआ,तथा अन्य खर्च की राशि 72,000 रुपया हुआ इस प्रकार सभी खर्चो को काटकर 28,000 रूपये की आय समूह को प्राप्त हुआ।

इस राशि का प्रयोग आने वाले वर्षों मे इसी जैविक खाद के व्यापार को अच्छे से करने के लिए बैंक मे जमा कर दिया गया।

जगदीश सैनी का हुआ भव्य स्वागत

श्रीकंचपथ न्यूज

भिलाई। ऑल इंडिया सैनी माली सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी का कोसा नगर स्थित कार्यालय में आगमन हुआ जहां उनका स्वागत नीतीश कश्यप एवं दिनेश पटेल द्वारा बुके देकर किया गया,जहां करीब आधा घंटा समाज के विकास को लेकर चर्चा की गई, ऑल इंडिया सैनी माली सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सैनी जो कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भी हैं।

जिन्हें अभी हाल ही में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा बड़ी जिम्मेदारी दी गई है, उन्हें छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिला का प्रभारी (बीआरओ) का प्रभार दिया गया है, जिस जिम्मेदारी को बखूबी निभा रहे हैं।

साथ ही समाज के प्रति भी अपनी उपस्थिति को समय-समय पर देते रहते हैं, उसी संदर्भ में आज ऑल इंडिया सैनी माली सभा के कार्यालय कोसा नगर मैं प्रदेश संगठन मंत्री नीतीश कश्यप के कार्यालय पहुंच कर समाज के विकास के विषय में चर्चा की गई, जिसमें आदरणीय जगदीश सैनी जी द्वारा कई सुझाव संगठन और समाज के प्रति दिए, जिससे समाज के लोगों में एक नई ऊर्जा का संचार होगा,उसके बाद वे रायपुर को रवाना हो गए।

संगठन चुनाव को लेकर बीआरओ ने ली बैठक

दुर्ग। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर मंगलवार को राजीव भवन दुर्ग में मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी की आवश्यक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक संगठन चुनाव के संबंध में दुर्ग के विधायक एवं राज्य भंडार गृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा, मध्य ब्लॉक के बीआरओ कमल जीत सिंह पिंटू ,राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू, नगर निगम के मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुर्ग के अध्यक्ष अलताफ अहमद के विशेष उपस्थिति में रखी गई। बैठक में बीआरओ कमल जीत सिंह पिंटू ने संगठन चुनाव के अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशानिर्देशों को एवं संबंधित सभी प्रक्रियाओं को उपस्थित कांग्रेस जनों को बताया।

ॐ साई राम
माँ पुस्तक भंडार
स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

CONTACT
Premier sales 8959493000
Arhum Electronics 9926100315
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

कुलपति डॉ. चंदेल द्वारा कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र भाटापारा का मुआयना

कृषि महाविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के काम-काज की समीक्षा की

नवनिर्मित सोयाबीन प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन भी किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित दाऊ कल्याण सिंह कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र, भाटापारा का भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय के प्राध्यापकों, वैज्ञानिकों एवं छात्र-छात्राओं से चर्चा की एवं बहुमूल्य सुझाव दिये। डॉ. चंदेल ने इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित महाविद्यालयों को दी जाने वाली अधिमान्यता के सम्बंध में समीक्षा बैठक की। उन्होंने भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के बोरसी फार्म के प्रक्षेत्र में स्थापित हाईटेक नर्सरी इकाई का अवलोकन किया एवं वहां किये जा रहे अनुसंधान कार्यों की सराहना की। उन्होंने बोरसी फार्म के प्रक्षेत्र में रूद्राक्ष का पौधा भी लगाया। भ्रमण के दौरान विश्वविद्यालय के निदेशक विस्तार सेवाएं डॉ. पी.के. चन्द्राकर, महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेन्द्र लाकपाले तथा महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं

वैज्ञानिकगण उपस्थित थे।

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल के भाटापारा प्रवास के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र भाटापारा, मुंगेली एवं बिलासपुर के वैज्ञानिकों की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र भाटापारा में किया गया। बैठक के दौरान कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कृषि विज्ञान केन्द्रों के काम-काज को सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक सुझाव दिये एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों को कार्ययोजना बनाने के लिए आव्हान किया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृषि की नवीन तकनीकों को बढ़ावा देने हेतु निर्देशित किया। डॉ. चंदेल ने किसानों की आय को दोगुनी करने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्रों को खाद्य प्रसंस्करण, मूल्यसंवर्धन एवं निर्मित उत्पादों के विपणन हेतु किसानों को आवश्यक बाजार उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर डॉ. चंदेल ने कृषि विज्ञान केन्द्र भाटापारा में नवनिर्मित सोयाबीन प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया गया। उन्होंने कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की और कृषि विज्ञान केन्द्रों को महिला स्व-सहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठन के लिए इन्क्यूबेशन सेन्टर के रूप में कार्य करने की सलाह दी। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केन्द्रों के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ उपस्थित थे।

खास खबर

जल जीवन मिशनः 22 गांवों में सिंगल विलेज स्कीम के लिए 9.66 करोड़ रूपए की मंजूरी

रायपुर। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री गुरु रुद्रकुमार के निर्देश पर राज्य के ग्रामीण अंचलों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। इसी कड़ी में बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड में जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित सिंगल विलेज स्कीम के तहत 22 गांवों के 1733 घरों में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति होगी, जिसके लिए 9 करोड़ 66 लाख 53 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति मिली है।

इस संबंध में कार्यालय कलेक्टर एवं अध्यक्ष जिला जल एवं स्वच्छता मिशन बिलासपुर द्वारा आदेश जारी किया गया है। जारी आदेश के तहत बिलासपुर जिले के कोटा विकासखंड अंतर्गत नगपुरा ग्राम में 45.99 लाख रूपए, करहीकछार (पटेलपारा) में 44.77 लाख रुपए, करहीकछार में 49.98 लाख रूपए, करहीकछार (डोंगरीपारा) में 38.74 लाख रूपए, तुलुफटीकरापारा 37.94 लाख रूपए, तुलुफ में 46.83 लाख रूपए, नगोई में 49.95 लाख रूपए, उमरिया में 49.30 लाख रूपए, नगोई (धनुहारपारा भदरापारा) में 49.98 लाख रूपए, नगोई (केंवटपारा) में 35.61 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

इसी तरह ग्राम करहीकछार (पठानपारा) में 45.44 लाख रुपए, अतड़डा (नवाडीह) में 23.71 लाख रुपए, अतड़डा में 37.15 लाख रुपए, नगपुरा (अमलीपारा कोदवाही) में 46.31 लाख रुपए, सरगोड़ (बैगापारा, उरैइवापारा) में 48.24 लाख रुपए, कसईबहरा में 49.93 लाख रुपए, अतड़डा (हरिजन पारा) में 37.15 लाख रूपए, अतड़डा (आवासपारा पटेलपारा) में 35.34 लाख रूपए, चिखलाडबरा (बेल्हाखार) में 45.92 लाख रुपए, छुईहा में 48.36 लाख रूपए, कुरदर में 49.93 लाख रूपए एवं कुरदर (छिरहापारा) में 49.96 लाख रूपए की लागत वाली एकल ग्राम नलजल प्रदाय योजना की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 445.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2022 से अब तक राज्य में 445.6 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 19 जुलाई तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1121.7 मिमी और बलरामपुर जिले में सबसे कम 140.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है।

राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 161.7 मिमी, सूरजपुर में 231.1 मिमी, जशपुर में 181.0 मिमी, कोरिया में 249.4 मिमी, रायपुर में 327.4 मिमी, बलौदाबाजार में 413.0 मिमी, गरियाबंद में 526.9 मिमी, महासमुंद में 466.9 मिमी, धमतरी में 550.0 मिमी, बिलासपुर में 460.0 मिमी, मुंगेली में 499.3 मिमी, रायगढ़ में 382.5 मिमी, जांजगीर-चांपा में 515.9 मिमी, कोरबा में 331.6 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 450.9 मिमी, दुर्ग में 432.7 मिमी, कबीरधाम में 425.9 मिमी, राजनांदगांव में 512.2 मिमी, बालोद में 607.4 मिमी, बेमेतरा में 326.3 मिमी, बस्तर में 546.7 मिमी, कोण्डागांव में 539.6 मिमी, कांकेर में 639.7 मिमी, नारायणपुर में 465.2 मिमी, दंतेवाड़ा में 537.0 मिमी और सुकमा में 435.5 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

बच्चों के सही पोषण और देखरेख के लिए 'उमंग' का आयोजन

संस्थाएं बच्चों का घर नहीं, समाज और प्रबुद्ध नागरिक बच्चों को पारिवारिक माहौल देने आगे आए : श्रीमती भेंड़िया

महिला एवं बाल विकास और यूनिसेफ के सहयोग से छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में पोषण देखरेख कार्यक्रम पर विशेष फोकस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री अनिला भेंड़िया ने रायपुर में पोषण देखरेख कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए हितधारकों की भूमिका और समन्वय विषय पर राज्य स्तरीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के पुनर्वास और उन्हें समाज की मुख्य धारा में शामिल करने पर चर्चा की गई। इस अवसर पर श्रीमती भेंड़िया ने पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर) कर रहे दो पोषक परिवारों को भी सम्मानित किया। कार्यशाला का आयोजन महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफके सहयोग से किया गया।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के कुशल नेतृत्व में विभाग ने महिलाओं एवं बच्चों के लिये कई कल्याणकारी कदम उठाये हैं। राज्य सरकार की प्राथमिकता सभी बच्चों का सर्वांगीण विकास है, इसमें वे बच्चे भी शामिल है, जिन्हें विभिन्न कारणों से संस्थाओं में रहना पड़ रहा है। संस्थाएं बच्चों का घर नहीं, वास्तव में किसी व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास परिवार और समाज के बीच ही हो सकता है। इसे ध्यान में रखकर किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 में गैर संस्थागत देखरेख का समावेश किया गया है। उन्होंने कहा कि पोषण देखरेख (फॉस्टर केयर), संस्था के बाहर बच्चों की देखरेख का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। मिशन वात्सल्य के अन्तर्गत देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए गैर नातेदार परिवार में वैकल्पिक अस्थाई देखरेख और संरक्षण की व्यवस्था की जाती है। इससे पोषक परिवार में जहां उत्साह, उमंग का संचार होता है, वहीं बच्चे को समुचित विकास का पूरा अवसर मिलता है। इन बच्चों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिये प्रत्येक नागरिक का संवेदनशील और सहयोगी होना आवश्यक है। उन्होंने अपील कि है कि समाज के सभी वर्ग, स्वयं-सेवी संस्थाएं, सरकार के साथ बच्चों को पारिवारिक वातावरण और विकास के सभी अवसर उपलब्ध कराने के लिए एकजुट हों, जिससे एक योग्य नागरिक तथा सशक्त भारत का निर्माण हो सके।

कार्यशाला में बच्चों का पालन-पोषण और देखरेख कर रहे पोषक परिवार रायपुर के प्रताप एवं दुर्गा महापात्रे और कांकेर के कृषक परिवार के खोरबहरा राम और चंदा बाई का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दिल्ली से आई यूनिसेफ की बाल संरक्षण विशेषज्ञ सुश्री वंदना कन्धारी और अन्य विशेषज्ञों ने पोषण देखरेख पर जानकारी दी। इस अवसर पर जिलों के बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष, सदस्य, जिला बाल संरक्षण अधिकारी और बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सचिव, बाल गृहों के अधीक्षक, विशेष किशोर पुलिस इकाई के प्रतिनिधि, स्वयं सेवी संस्थाओं के सदस्य और पोषण देखरेख हेतु चयनित पोषक परिवार उपस्थित थे।

प्रदेश के 54 बच्चे अभी भी पोषक परिवार के इंतजार में

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने बच्चों के लिए प्राकृतिक पोषण आहार की उपयोगिता बताई। उन्होंने पैक्ड फूड की जगह प्राकृतिक पोषक आहार अपनाने की समझाईश दी। संचालक दिव्या मिश्रा ने बताया कि छत्तीसगढ़ में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उल्लास, उम्मीद और उजियार कार्यक्रम पर काम किया जा रहा है। आज इसमें चौथे यू के रूप में उमंग जोड़ा जा रहा है। राज्य में 45 बाल गृह और 13 विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण संचालित है। विशिष्ट दत्तक ग्रहण अभिकरण में 119 बच्चे निवासरत है। वर्ष 2021-22 में 112 बच्चों को दत्तक ग्रहण के माध्यम से पुनर्वासित किया गया। अभी 54 बच्चे पोषण देखरेख कार्यक्रम हेतु चिन्हांकित है। अब तक प्रदेश में 4 बच्चे पोषण देखरेख के तहत परिवारों का हिस्सा बने हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में स्पॉन्सरशिप के अंतर्गत 165 बच्चों को लाभ दिया गया है। यूनिसेफके राज्य प्रमुख जॉब जकारिया ने बताया कि विश्व में 75 लाख बच्चे संस्थानों में रहते हैं, लगभग 2 लाख बच्चे सड़कों में रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासंघ ने बच्चों को घर या वैकल्पिक परिवार में रखने का प्रावधान किया है। इस आधार पर परिवार आधारित बच्चों का देखरेख प्रोग्राम तैयार किया गया है। छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में इस पर विशेष फोकस कर काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य बधाई का पात्र है कि वह देश के अन्य प्रदेशों से आगे हैं। उन्होंने बताया कि मिशन वात्सल्य के तहत देखरेख के लिए प्रति माह 4 हजार रूपए तक की राशि भी प्रदान की जाती है।

गोबर खरीदी और वर्मी कम्पोस्ट बनाने का काम प्राथमिकता से करें- डॉ भुरे

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब किसानों के लिए संजीवनी साबित हो रही गोधन न्याय योजना की आज कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को गोबर खरीदी और उससे वर्मी कम्पोस्ट बनाने में किसी भी तरह की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। कलेक्टर ने गौठानों में आवक के हिसाब से लगातार गोबर खरीदी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी चेताया कि गौठानों में गोबर खरीदी नही करने की शिकायत मिलने पर संबंधित प्रभारी के विरूद्ध भी कार्यवाही की जाएगी। डॉ भुरे ने गोबर खरीदी और उससे वर्मी कम्पोस्ट बनाने तथा बनी खाद् को निर्धारित दाम पर समय रहते बेचने की पूरी मॉनिटरिंग करने के निर्देश जिला पंचायत के सीईओ को दिए। कलेक्टर ने साप्ताहिक मॉनिटरिंग के लिए हर सोमवार को कृषि विभाग के मैदानी अमले के साथ एसडीएम और जिला पंचायत के सीईओ की बैठक भी आयोजित करने को कहा। इस बैठक में जिला पंचायत के सीईओ डॉ रवि मित्तल सहित सभी जनपदों के सीईओ, एसएडीओ और गोधन न्याय योजना के सहायक परियोजना अधिकारी भी शामिल हुए।

एक माह में बढ़ानी होगी 10 प्रतिशत् तक गोबर खरीदी- बैठक में कलेक्टर ने कई गौठानों में अपेक्षित मात्रा से कम गोबर खरीदी पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने गोठानों के वर्मी टांको के खाली रह जाने की भी अधिकारियों से जानकारी ली। डॉ भुरे ने गोबर खरीदी और वर्मी कम्पोस्ट बनाने की धीमी गति पर भी नाराजगी जताई। कलेक्टर ने गौठानों का नियमित निरीक्षण नहीं करने और गोबर खरीदी-वर्मी खाद् उत्पादन में लापरवाही बरतने पर अभनुपर विकासखंड के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एचसी साहू और तिल्दा-चांपा के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अमित लकरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश जिला पंचायत के सीईओ को दिए। कलेक्टर ने एक महीने में गोठानों में अभी की स्थिति से 10 प्रतिशत तक गोबर खरीदी बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि गौठानों में वर्मी टांको के हिसाब से गोबर खरीदा जाए और खरीदे गए गोबर को समय अनुसार टांको में भरा जाए। उन्होंने गौठानो में खरीदे गए गोबर की मात्रा के हिसाब से वर्मी टांके और अन्य अधोसंरचना के लिए भी जरूरत के हिसाब से प्रस्ताव देने के निर्देश दिए। डॉ भुरे ने खेती-किसानी के चालू मौसम में वर्मी खाद् के उपयोगिता को देखते हुए अब तक तैयार वर्मी कम्पोस्ट की शत-प्रतिशत बिक्री भी सुनिश्चित करने को कहा।

गोबर खरीदी में छोटे और गरीब किसानों को मिले प्राथमिकता- कलेक्टर ने गौठानों में गोबर खरीदने में गांव के छोटे किसानों और गरीब ग्रामीण को प्राथमिकता देने के भी निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना से छोटे किसानों और गरीबों को तत्काल सीधा आर्थिक लाभ पहुंचाना ही सरकार की मंशा है, इसीलिए ऐसे जरूरतमंद लोगों से प्राथमिकता से गोबर खरीदा जाए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि गोबर लेकर बेचने आए ऐसे किसी भी व्यक्ति को जगह नही होने का कारण बताकर वापस नही भेजा जाए। डॉ भुरे ने एक ही व्यक्ति से एक ही दिन अधिक मात्रा में गोबर खरीदने की जगह सभी छोटे और गरीब किसानों का पूरा गोबर खरीदने के निर्देश दिए।

26 लाख हेक्टेयर में हो चुकी खरीफ फसलों की बुआई

रायपुर। खरीफ फसलों की 26 लाख 02 हजार हेक्टेयर बुआई हो चुकी है, जो निर्धारित लक्ष्य का 54 प्रतिशत है। अब तक खरीफ फसलों के तहत सर्वाधिक 21 लाख 87 हजार हेक्टेयर में धान की बोनी हुई है। इसके अलावा मोटे अनाज की 1 लाख 61 हजार हेक्टेयर में, दलहन की 1 लाख 5 हजार हेक्टेयर में, तिलहन की 74 हजार हेक्टेयर में तथा सब्जी एवं अन्य फसलों की 76 हजार हेक्टेयर में बुआई पूरी कर ली गई है। चालू वर्षा मौसम में राज्य में अब तक 440.7 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है, जो इसी अवधि की 10 वर्षों की औसत वर्षा 377.9 मिमी का 117 प्रतिशत है। इस साल वर्षा मौसम शुरूआती दिनों में मानसून के भटकाव के चलते खरीफ फसलों की बोनी प्रभावित हुई है। बीते वर्ष खरीफ सीजन-2021 में 18 जुलाई की स्थिति में राज्य में फसलों की बुआई 29 लाख 24 हजार हेक्टेयर में हो चुकी थी।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

बहुत जल्द भारत में परफॉर्म करते दिखेंगे जस्टिन बीबर जानिए कितनी होगी कॉन्सर्ट के टिकट की कीमत

दुनिया के जाने-माने पॉप सिंगर जस्टिन बीबर ने फैंस को पिछले दिनों अपनी गंभीर बीमारी की जानकारी थी। दुनियाभर में फैले उनके फैंस को अपने पसंदीदा पॉप स्टार को ऐसे देख बड़ा झटका लगा था। लेकिन अब उनके फैंस के लिए एक अच्छी खबर सामने आ रही है, जो किसी ट्रीट से कम नहीं होगी। खबर है कि जस्टिन बीबर की तबीयत में सुधार होने लगा है और इस वजह से जस्टिन ने अपने वर्ल्ड टूर पर वापसी करने का एलान कर दिया है।

जस्टिन की तबीयत में हुआ सुधार

मई में जस्टिन बीबर ने अपनी एल्बम 'जस्टिस' के प्रमोशन के लिए दुनिया के कई देशों का दौरा करने का एलान किया था। इस दौरे में वह अपनी एल्बम का अलग-अलग देश में जाकर मंच पर तहलका मचाने वाले थे। लेकिन इस एलान के कुछ ही दिनों में पिछले महीने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करके जस्टिन बीबर ने अपने फैंस को बताया था कि वह रामसे हंट सिंड्रोम नाम की बीमारी के पीड़ित हो गए हैं। वीडियो में गायक ने खुलासा किया था कि उनके चेहरे का आधा हिस्सा लकवाग्रस्त (पैरालाइज) हो गया था। अपनी इसी बीमारी के कारण जस्टिन बीबर ने अपने इस दौरे को स्थगित कर दिया था। यह खबर सुनते ही दुनियाभर में फैले उनके प्रशंसक निराश हो गए थे। वहीं अब उनकी तबीयत में सुधार की इस खबर के बाद मुहर लग गई है कि वह तय तारीख पर ही भारत में परफॉर्म करते दिखाई देंगे।

पांच साल बाद भारत आएंगे जस्टिन

विदेशों के साथ ही भारत में भी जस्टिन बीबर

के लाखों फैंस हैं। अब यह फैंस जस्टिन के वर्ल्ड टूर और उनकी तबीयत में हुए सुधार की खबर सुन खुशी से झूम उठे हैं। जस्टिन के यह फैंस इसलिए ज्यादा खुश हैं क्योंकि वह पूरे पांच साल बाद भारत में परफॉर्म करते नजर आने वाले हैं। वह आखिरी बार साल 2017 में भारत में एक कार्यक्रम का हिस्सा बने थे, जिसके बाद से ही भारतीय फैंस उनके कॉन्सर्ट का इंतजार कर रहे थे और अब उनका यह इंतजार खत्म होने जा रहा है। जस्टिन राजधानी दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में 18 अक्तूबर को स्टेज पर गाते दिखाई देंगे। जस्टिन के कॉन्सर्ट के टिकट की कीमत 4000 रुपये से शुरू होगी। फैंस अपने पसंदीदा गायक के इस दिल्ली में होने वाले कॉन्सर्ट का आनंद लेने के लिए काफी उत्सुक हैं।

निराश हो गए थे फैंस

पहले मिली जानकारी के अनुसार, जस्टिन बीबर का यह कॉन्सर्ट करीब 30 मिनट का होगा। गौरतलब है कि साल 2017 में भारत आए जस्टिन विवादों में भी फंस गए थे। दरअसल, महंगी-महंगी टिकट खरीदकर पॉप स्टार के कॉन्सर्ट का आनंद लेने पहुंचे लोगों को बहुत बड़ा झटका लगा है क्योंकि रिपोर्ट्स के अनुसार सिंगर ने वहां गाना गाया ही नहीं था। जस्टिन पर लोगों ने आरोप लगाया था कि स्टेज पर पहुंचकर उन्होंने सिर्फलिप सिंग की थी, जिसके बाद उनके खिलाफलोगों का गुस्सा फूट पड़ा था। इतना ही नहीं वह दो दिनों तक भारत में रुकने वाले थे, लेकिन सिर्फ एक दिन के बाद ही यहां से चले गए थे। अब देखना यह होगा की पांच साल बाद जस्टिन भारत आकर क्या कारनामा करते हैं।

मुकेश खन्ना ने 'आयरन मैन' पर कसा तंज बताया- शक्तिमान क्यों है सभी हीरोज पर भारी?

फिल्म 'शक्तिमान' पर काम शुरू हो गया है। मेकर्स ने फिल्म की अनाउंसमेंट करते हुए एक मिनट का वीडियो भी जारी कर दिया है। वीएफएक्स, खतरनाक साउंड ट्रैक वाले इस वीडियो की शुरुआत उसी डायलॉग से होती है, जो आज से 25 साल पहले शक्तिमान नामक सीरियल में सुनाई देती थी। जैसे ही अंधकार और बुराई मानवता पर हावी हो जाती है...उसके लौटने का समय आ गया है। और जल्द ही, शक्तिमान की झलक देखने को मिलती है। अपने 'सबसे लोकप्रिय सुपरहीरो' को देख जहां एक तरफ लोग उत्साहित हो रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ कुछ लोग फिल्म के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे हैं। यूजर्स पूछ रहे हैं कि आयरनमैन और स्पाइडरमैन के जमाने में 25 साल पुराने सुपरहीरो की वापसी क्यों हो रही है? बता दें कि मुकेश खन्ना ने इन सभी सवालों के जवाब दिए हैं। दरअसल, अभिनेता ने कुछ समय पहले एक वीडियो जारी कर बताया था कि क्यों शक्तिमान सभी हीरोज से बड़ा है?

अभिनेता कहते हैं, कल्चर, कहानी, माइथोलॉजी कनेक्शन, यह सब शक्तिमान के पास है। वर्ल्ड के किसी भी हीरो के पास उतनी लंबी कहानी नहीं है, जितनी बड़ी शक्तिमान की कहानी है। शक्तिमान की शुरुआत महाभारत काल से हुई थी। और आज कल के सुपरहीरोज को देखिए कोई दूसरे प्लेनेट से आया तो उसके पास शक्तियां आ गईं। स्पाइडर ने आपको काट लिया तो आप स्पाइडरमैन बन गए। आपने साइंस की मदद से बनाए गए लोहे के कवच को पहन लिया तो आप आयरनमैन बन गए।

मुकेश खन्ना आगे कहते हैं, यदि आप किसी भी सुपरहीरो की कहानी उठाकर देखोगे तो आपको किसी की भी कहानी में मिस्ट्री नहीं नजर आएगी। लेकिन शक्तिमान की कहानी में है। प्रोडक्शन हाउस कहते हैं, सर शक्तिमान का पावर बढ़ाइए। मैं कहता हूं, कौन-सा पावर बढ़ाऊं? कौन-सा पावर नहीं है शक्तिमान के पास? किसी के भी सामने शक्तिमान को खड़ा कर दो, वह सबसे ज्यादा पावरफुल ही दिखेगा।

अभिनेता कहते हैं, 'लोग मुझे कहते थे कि मैंने सुपरमैन की कॉपी की है। दोनों ही हवा में उड़ते हैं। तो मैंने कहा कि भाई सुपरमैन ने हनुमान की कॉपी की है। हमारे देश का पहला सुपरहीरो हनुमान है। और शक्तिमान के अंदर जो पावर है वो सुपरमैन के अंदर भी नहीं है। शक्तिमान अदृश्य हो सकता है। शक्तिमान टाइम ट्रैवल कर सकता है। शक्तिमान मन की बात पढ़ सकता है। शक्तिमान हमारा मील दूर भी देख सकता है। शक्तिमान रोगियों को ठीक कर सकता है। विश्व के किसी सुपरहीरो के पास ये शक्तियां नहीं हैं।

माधवन की फिल्म देख भावुक हुए अनुपम खेर, कहा- हर भारतीय को इसे देखना चाहिए

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन इन दिनों अपनी फिल्म रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। इसी महीने रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों के साथ-साथ समीक्षकों की भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही हैं। धीमी रफ्तार से शुरुआत करने वाली इस फिल्म को पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का काफी फायदा मिला। फिल्म देखने के बाद आम लोग से लेकर कई कलाकार तक इसकी तारीफ कर चुके हैं। इसी बीच अब अभिनेता अनुपम खेर ने भी इस फिल्म को देखने के बाद इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। एक्टर ने सोशल मीडिया पर फिल्म की जमकर तारीफ की।

आर माधवन की फिल्म रॉकेट्री को देखने के बाद अनुपम खेर ने ट्वीट फिल्म और एक्टर माधवन की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, अभिनेता माधवन की नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित फिल्म रॉकेट्री देखी। फिल्म देखे के बाद दिल खोलकर रोया। फिल्म असाधारण और प्रेरणादायक है। हर भारतीय को इसे जरूर देखना चाहिए और नंबी नारायणन सर को सॉरी बोलना चाहिए। इस तरह हम अतीत में की गई कुछ गलतियों को सुधार सकते हैं। ब्रावो प्रिय माधवन।

वैज्ञानिक नंबी नारायणन के जीवन पर आधारित इस फिल्म का लेखन, निर्माण और निर्देशन आर. माधवन ने ही किया है। नंबी के जीवन पर आधारित इस फिल्म का प्रीमियर फ्रांस में हुए कान फिल्म फेस्टिवल में किया गया था। बात करें फिल्म की तो 'रॉकेट्री द नंबी इफेक्ट फिल्म भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान यानी इसरो के वैज्ञानिक नंबी नारायण के जीवन पर आधारित है। फिल्म में माधवन नंबी नारायण के किरदार में हैं, वहीं एक्ट्रेस सिमरन उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं। इसके अलावा फिल्म में शाहरुख खान भी कैमियो रोल में हैं।

तमिल सिनेमा से हिंदी फिल्मों में आए अभिनेता आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्री' तमिल के अलावा हिंदी और मलयालम में भी रिलीज की गई है। इस फिल्म के जरिए माधवन ने छह साल बाद पर्दे पर वापसी की है। फिल्म की कहानी की बात करें तो रॉकेट्री: द नंबी इफेक्ट में वैज्ञानिक के जीवन में आए हर एक उतार-चढ़ाव को बेहतरीन ढंग से दिखाया गया है। फिल्म में वैज्ञानिक पर लगे जासूसी के झूठे आरोप से लेकर हिरासत में उन्हें प्रताड़ित करने तक की कहानी को बखूबी दिखाया गया है। देश-दुनिया में अपनी फिल्म को मिल रही शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए अभिनेता आर माधवन भी बेहद खुश है।

प्रोड्यूसर्स ने मुझसे कहा था, तू 25 दिन में पैसे डबल कर देता है: कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान फिल्म 'भूल भुलैया 2' की सक्सेस के बारे में बात की। कार्तिक ने बताया कि उनके प्रोड्यूसर्स ने उनकी तारीफ करते हुए कहा था कि वो पैसे को डबल करने वाले एक्टर हैं। 'भूल भुलैया 2' के पहले दिन के कलेक्शन की बात करें, तो इसने 14.11 करोड़ की कमाई की थी। जिसे देखकर लोगों ने सोचा था कि यह फिल्म बुरी तरह से फ्लॉप साबित होगी। लेकिन इस फिल्म ने सबको गलत साबित करते हुए 200 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है।

प्रड्यूसर्स ने कहा कार्तिक को पैसा डबल करने वाला एक्टर

कार्तिक ने कहा, 'मेरे प्रड्यूसर्स ने मुझे बोला था कि तू ऐसा एक्टर है, जो हमारे पैसे 25 दिन में डबल कर देता है। उन्होंने इसे बहुत मजेदार तरीके से कहा था। मेरे प्रोड्यूसर्स वास्तव में इस चीज से बहुत खुश हैं कि जिस तरह के सब्जेक्ट्स मैं चुन रहा हूं और उन्हें इससे वाकई में काफी फायदा भी मिल रहा है। मैं इससे बहुत खुश हूं। आखिरकार यह एक बिजनेस है। लेकिन अंत में आपको पैसा भी कमाना है और यह फाइनल रिजल्ट के लिए बहुत जरूरी होता है।

कार्तिक ने फिल्म की सक्सेस का पूरा क्रेडिट अपनी टीम को दिया

कार्तिक ने आगे कहा, 'भूल भुलैया 2 ने जितना बिजनेस किया है, उतनी किसी को उम्मीद नहीं थी। किसी को यह उम्मीद नहीं थी कि यह फिल्म इतना अच्छा बिजनेस करेगी। मैं फिल्म की सक्सेस का पूरा क्रेडिट अपनी टीम को दूंगा। किसी ने मुझे एक बात कही थी और मैं इसे एक पॉजिटिव तरीके से बताना चाहता हूं कि यह फिल्म देखने के बाद दो लोगों ने मुझसे कहा था कि उन्होंने पहले पार्ट को बिल्कुल भी मिस नहीं किया। यह दोनों ही फिल्मों के लिए प्राउड फीलिंग थी।'

'भूल भुलैया 2' 2007 में आई फिल्म का सीक्वल है

'भूल भुलैया 2' को अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया है। इसमें कार्तिक के अलावा कियारा आडवाणी, तब्बू, राजपाल यादव और संजय मिश्रा भी लीड रोल में हैं। यह फिल्म 20 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म 2007 में आई फिल्म 'भूल भुलैया' का सीक्वल है।

कार्तिक के वर्क फ्रंट की बात करें तो वो इस समय फिल्म 'शहजादा' की शूटिंग में बिजी हैं। वहीं इसके अलावा कार्तिक जल्द ही 'फ्रेडी' और 'सत्यनारायण की कथा' में भी नजर आने वाले हैं।

मशहूर गीतकार जानी हुए कार हादसे के शिकार, बीच हाइवे पर पलटी गाड़ी

मशहूर पंजाबी गीतकार और संगीतकार जानी की कार का एक्सीडेंट हो गया है। उनकी फॉर्च्यूनर कार बीच रास्ते में एक दूसरी कार से टकरा कर पलट गई। इस हादसे के वक्त कार में दो और लोग भी मौजूद थे। जानकारी के मुताबिक इस घटना में कार सवार सभी बाल-बाल बच गए। पुलिस के मुताबिक वाहन चौराहे पर नहीं रुके और आपस में टकरा गए। इसके बाद 33 वर्षीय गीतकार और उनके साथ दो अन्य लोगों को तुरंत मोहाली के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। वहीं, बताया जा रहा है कि दूसरी गाड़ी के यात्रियों को मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस कर रही जांच

पुलिस के मुताबिक दुर्घटना के तुरंत बाद पीड़ितों को अस्पताल ले जाया गया। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इस हादसे के पीछे जिम्मेदार कौन है। फिलहाल अब तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है। बाद दें कि जानी पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री का एक जाना-पहचाना नाम हैं। उन्होंने 'नाह', 'क्या बात अय', 'पछताओगे', 'फिलहाल', 'तितलियां', 'बारिश की जाए' और 'फिलहाल 2 मोहब्बत' जैसे शानदार गाने लिखे हैं।

वर्क फ्रंट की बात करें तो जानी ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में की थी। 'शांत सिपाही' गाने की वजह से वह रातोंरात फेमस हो गए थे। जानी के गानों में हर तरह के रंग देखने को मिलते हैं। उन्होंने अब तक कई रोमांटिक और दर्द भरे गाने लिखे हैं। साल 2013 का हार्डी संधू का गाना 'सोच' जानी की ही जादुई कलम की देन है। इस गाने में हार्डी के साथ बिग बॉस फेम हिमांशी खुराना नजर आईं थीं। इसके अलावा सुपरहिट गाना 'किस्मत' भी उन्होंने ही लिखा है। इस गाने में सरगुन मेहता दिखी थीं।

'पुष्पा द रूल' के बाद आएगी 'पुष्पा 3'! फिल्म के इस अहम किरदार ने दिया बड़ा हिंट

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म 'पुष्पा: द राइज' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए थे और दर्शकों को यह इतनी पसंद आई थी कि वह बेसब्री से दूसरे पार्ट का इंतजार कर रहे हैं। सुकुमार द्वारा निर्देशत इस पैन इंडिया फिल्म के दूसरे पार्ट की शूटिंग की तैयारियां चल रही हैं। वहीं, अब फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर भी बड़ा हिंट मिला है।

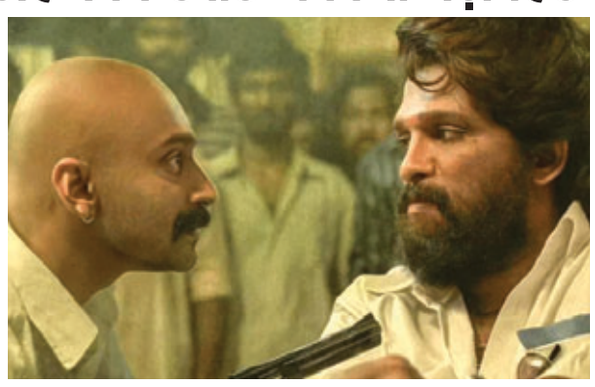

फहाद फासिल ने दिया हिंट

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान फहाद फासिल फिल्म को लेकर बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बताया कि निर्माताओं ने पहले फिल्म को केवल एक भाग में पूरा करने की योजना बनाई थी। हालांकि, बाद में निर्माताओं ने इसे दो भागों में विभाजित करने का निर्णय लिया। वहीं, अभिनेता ने ये संकेत भी दिया कि फिल्म का तीसरा भाग भी हो सकता है और उन्हें इसके लिए तैयार करने के लिए कहा गया है।

निर्देशक ने कही थी ये बात

'पुष्पा: द राइज' में फहाद फासिल को आखिरी में दिखाया गया, जो अब दूसरे पार्ट में कहानी का मुख्य हिस्सा होंगे। वह फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा रहे हैं। फासिल ने आगे बात करते हुए कहा, 'निर्देशक सुकुमार के साथ उनकी हाल ही में हुई बातचीत के दौरान, उन्हें तीसरे भाग की भी तैयारी करने के लिए कहा गया है क्योंकि निर्देशक के पास कहानी को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त सामग्री है।'

'पुष्पा 2' में हो सकते हैं विजय सेतुपति

'पुष्पा: द राइज' को मिली सफलता के बाद निर्देशक सुकुमार ने 'पुष्पा 2' की पटकथा पर फिर से विचार करने के लिए पर्याप्त समय लिया है। 'पुष्पा 2' में कथित तौर पर एक और खलनायक होगा और रिपोर्ट्स का कहना है कि निर्माताओं ने उस भूमिका को निभाने के लिए विजय सेतुपति से संपर्क किया है। फहाद फासिल के शब्दों के अनुसार, ऐसा लगता है कि 'पुष्पा: द रूल' नायक और खलनायक की कहानी के बजाय उनके और अल्लू अर्जुन की भूमिका के बीच अहंकार के टकराव की तरह होगा।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-

9303289950, 9827806026, 8962815243

SHRI SAI
COMMERCE COACHING
A Complete Commerce Solution
ONLINE CLASS
XI th XII th B.COM
CA/CS/CMA
Registration Open
KHOOBI SIR- Director
Sirsa Road, Kohka, Bhilai, Mo.-98935-82241
www.shri.sai.commercecoaching.com

YOGESH COMPUTER
Sales & Service
All Computer Peripherals & Repairing
Hardware
CCTV Camera
Networking
Software
Yogesh Sirame
Mo-9893342971
7748064280
Azad Chowk, Muktidham Road
Ramnagar, Supela, Bhilai
Email : sirameyogesh@gmail.com

Paul Sir
BANK P.O.
&
CLERK,
MBA,
RLY.,
SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER,
Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्देवस एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

17 अगस्त तक हर घर झंडा कार्यक्रम होगा आयोजित

कवर्धा। भारतीय ध्वज राष्ट्र का प्रतीक है इसी गौरव को संवर्धित करने के लिए आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 11 से 17 अगस्त 2022 तक हर घर झंडा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके अंतर्गत सभी भारतीय नागरिकों में राष्ट्रीय ध्वज अपने घर पर फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है जिससे आम जन में देश भक्ति की भावना विकसित हो तथा राष्ट्रीय ध्यज के सम्मान में वृद्धि हो। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने हर घर झंडा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। कलेक्टर महोबे ने कहा कि राज्य शासन द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन के दिशा-निर्देश अनुसार जिले के अन्तर्गत सार्वजनिक उपक्रमों, स्व-सहायता समूहो, सामाजिक संगठनों आदि के समस्त कर्मचारियों एवं उनके परिवार की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। कार्पोरेट और निजी संगठनों को भी सी.एस.आर संसाधनों सहित भाग लेने और योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना सुनिश्चित करें। राज्य शासकीय वेबसाइटों और सोशल मीडिया का उपयोग कर आमजनों में जागरूकता लाए जाने तथा अमृत महोत्सव हर घर तिरंगा को वेबसाइट के माध्यम से लिंक करें।

स्वास्थ्य विभाग दे रहा डेंगू से बचने की जानकारी

सूरजपुर। कलेक्टर सु इफ्फत आरा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला सूरजपुर डॉ. आर.एस. सिंह के मार्गदर्शन में नगर पालिका के अधिकारियों, कर्मचारियों को डेंगू से रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु डॉ. दीप कुमार द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। बैठक का आयोजन मंगल भवन में किया गया। इसी प्रकार सूरजपुर एवं विश्रामपुर के सभी शहरी मितानिनों को प्रशिक्षण दिया गया एवं सभी को प्रतिदिन घर पर जाकर लोगों को डेंगू के प्रति जागरूक करने के लिये कहा गया साथ ही सभी घरों में डेंगू से बचाव एवं रोकथाम के पम्पलेट बांटने को कहा गया। सभी को बताया गया कि डेंगू के लार्वा कूलर के टंकी, पुराने टायर, फूल दान, फ्रीज का ट्रे, नारियल के खोल में पैदा होते हैं, इसे प्रति सप्ताह सफाई करने और ढक कर रखने की आवश्यकता है, इसी प्रकार अपने घर के खिड़कियों एवं दरवाजे में जाली लगाने के सलाह दिये गये। सभी लोगों को मच्छरदानी लगाकर सोने कहा गया। इसी प्रकार शासकीय बालक हाई स्कूल में बच्चों को डेंगू के लक्षण, उसके बचाव के उपाय और डेंगू के लार्वा को नष्ट करने की जानकारी भी दी गई।

हर दिन कलेक्टर चेक करेंगे आवेदनों के हल होने का स्टेटस

श्रीकंचपथ न्यूज

दुर्ग। रेवेन्यू विभाग में जनसमस्याओं की संवेदनशीलता को देखते हुए कलेक्टर ने हर दिन आवेदनों के निराकरण के स्टेटस का अवलोकन करने का निर्णय लिया है। कलेक्टर ने आज राजस्व अधिकारियों की बैठक में कहा कि हर दिन कोर्ट के बाद राजस्व अधिकारी उस दिन हल किये आवेदनों और आये नये आवेदनों की जानकारी दें। जो लंबित आवेदन समयसीमा से काफी बाहर हैं। इस पर गंभीरता से काम होना चाहिए। सबसे पहले राजस्व अधिकारी इसका स्टेटस देंगे कि इसमें विलंब क्यों हुआ। इसमें सभी स्टेज की जानकारी देनी होगी। मसलन साक्ष्य के लिए कितना समय लगा, जवाब कितने दिन में हुआ, पटवारी रिपोर्ट कितने दिन में आई। इससे जवाबदेही तय करने में मदद मिलेगी। कलेक्टर ने डैशबोर्ड पर लंबित प्रकरणों के कारणों को देखा। कुछ कारणों पर उन्होंने आपत्ति की। एक प्रकरण अनावेदकगण की लंबी अनुपस्थिति की वजह से रूका था। कलेक्टर ने कहा कि अनावेदक यदि उपस्थित नहीं होते हैं तो उनका लंबे समय तक इंतजार नही किया जा सकता। प्रकरणों को हल करने की समयसीमा है। उसके भीतर काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हर प्रकरण पारदर्शिता के साथ और जवाबदेही के साथ तय समयसीमा में हल किया जाए। कलेक्टर ने अवैध प्लाटिंग पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि प्रकरणों को समयसीमा पर और गुणवत्ता के साथ निपटाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए एसडीएम हर पखवाड़े तहसीलदारों की मीटिंग लें। मीटिंग में चर्चा प्रकरणों की संख्या पर न हो। चर्चा प्रकरण दर प्रकरण हो। इससे प्रकरणों के त्वरित निपटारे का रास्ता खुल सकेगा।

कलेक्टर ने कहा कि चुनिंदा प्रकरण दो साल से ऊपर के हैं। इन्हें एक महीने की समयसीमा में हल करना है। इसके लिए पेशी हफ्ता दर हफ्ता नहीं अपितु हर दिन होनी चाहिए। तेजी से प्रकरणों का निपटारा हो ताकि लोगों को राहत मिल सके। कलेक्टर ने कहा कि शासन ने रिकार्डों के अपडेट के लिए बड़ा काम किया है।

इसके बावजूद जिन रिकार्डों को अपडेट नहीं किया जा सका हो, उन्हें भी अपडेट किया जाएगा। इसके लिए डीएमएफमद के माध्यम से राशि प्रदान की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग में टेक्नालाजी का उपयोग अधिक से अधिक करना है जिससे जनहित की सुविधा तेजी से बढ़ेगी। कलेक्टर ने कहा कि राजस्व विभाग में अभी कर्मचारियों की पर्याप्त संख्या नहीं है। इसे ठीक करने की दिशा में शासन द्वारा कार्य किया जा रहा है। शीघ्र ही सभी कोर्ट में पर्याप्त संख्या में डाटा एंट्री आपरेटर और लिपिक हो जाएंगे।

बी.टेक खाद्य प्रौद्योगिकी 4 वर्षीय पाठ्यक्रम एक नया अवसर

फूड टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में है रोजगार की बेहतर संभावनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। भारत के शिक्षा परिदृश्य में पिछले कुछ वर्षों में काफी बदलाव आया है। युवा विद्यार्थी आज ज्ञानोन्मुखी शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के स्थान पर रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों को प्राथमिकता देने लगे हैं। देश में रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों का महत्व दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है। खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी भी एक ऐसा पाठ्यक्रम है जिसमें रोजगार-व्यवसाय की बेहतर संभावनाएं हैं। विगत कुछ वर्षों में खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी से संबंधित उपक्रम एक बड़े एवं विस्तृत रूप में सामने आये हैं। सर्वेक्षण से यह पता चला है कि प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि होने से एवं बदलते समय के अनुसार व्यस्त जिन्दगी में शहरी लोगों की जीवन शैली में प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की मांग में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश में विभिन्न फसलों, सब्जियों, फलों एवं लघु अनाज एवं वनोपज की प्रचुरता को देखते हुए छत्तीसगढ़ में भी खाद्य प्रौद्योगिकी से संबंधित प्रसंस्करण की तकनीकों का उपयोग करते हुए अनेक प्रकार के डब्बा बंद, प्रसंस्कृत उत्पाद, इंस्टैन्ट, रेडी-टू-ईट प्रकार के खाद्य व्यंजनों का निर्माण आसानी से किया जा सकता है। फसल और फल सब्जियों का उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा हैं एवं उनकी खपत उस मौसम में न होने के कारण अधिकांश समय कृषकों को हानि की संभावना होती है। ऐसी स्थिति से बचने के लिये इन फसलों, फल, सब्जियों में खाद्य प्रौद्योगिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण की तकनीकों का उपयोग करके इनसे मूल्यवर्धित उत्पादों का निर्माण किया जा सकता है जिसे कि गैर मौसमी समयकाल में आसानी से उपयोग किया जा सकता है एवं ऐसा करने से कृषक समुदाय को आर्थिक लाभ आवश्यक रूप से प्राप्त होगा। इन फसलों से मूल्यवर्धित पदार्थ बनाने से प्रदेश के किसानों, युवाओं, महिला स्वसहायता समूहों को रोजगार प्राप्त करने में भी आसानी होगी। खाद्य प्रौद्योगिकी आधारित प्रसंस्करण के कार्य भविष्य के लिये अत्यंत उपयोगी हैं एवं इस क्षेत्र के बहुमुखी विकास हेतु मानव संसाधन का विकास करना अति आवश्यक है। हमारे देश के कई राज्यों ने इस विषय की उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए अपने-अपने प्रदेशों जैसे महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, उत्तरप्रदेश आदि प्रदेशों में या तो अनुसंधान केन्द्र प्रारंभ किये गये या बी. टेक. (खाद्य प्रौद्योगिकी) के शैक्षणिक संस्थान प्रारंभ किये गये।

छत्तीसगढ़ राज्य में भी खाद्य प्रौद्योगिकी के महत्व को देखते हुए छत्तीसगढ़ शासन ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, रायपुर में वर्ष 2020 से प्रारंभ किया है। इस 4 वर्षीय पाठयक्रम के पश्चात बी.टेक. फूड टेक्नालाजी की उपाधि प्रदान की जाती है। इसका सिलेबस भारतीय भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आई.सी.ए.आर.) नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित हैं। इस बी.टेक. फूड टेक्नालाजी कोर्स की 36 सीटों में प्रवेश हेतु विद्यार्थी को गणित, भौतिक, रसायन विषय के साथ 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य हैं तथा व्यापम छत्तीसगढ द्वारा आयोजित पी.ई.टी. की परीक्षा में प्रावीण्यता के आधार पर प्रवेश दिया जाता हैं। वर्ष 2022-23 में इस पाठयक्रम में प्रवेश का विज्ञापन शीघ्र ही जारी किया जाएगा एवं अधिक जानकारी हेतु www.igkv.ac.in का भ्रमण करें। प्रवेश संबंधी जानकारी हेतु 94255-25249 पर व्हाट्सएप कर सकते हैं। इस 4 वर्षीय पाठयक्रम के दौरान विद्यार्थियों को खाद्य अभियांत्रिकी, खाद्य प्रौद्योगिकी, खाद्य रसायन, खाद्य माइक्रोबायोलाजी, खाद्य व्यापार प्रबंधन, खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता जांच से संबंधित विषयों को महत्व के अनुसार शिक्षण एवं प्रायोगिक कार्य हेतु अलग-अलग घण्टे निर्धारित किये गये हैं।

प्रदर्शन तथा प्रशिक्षण के माध्यम से नर्सरी उपचार के किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग जिले के ब्लाक पाटन अंतर्गत ग्राम चूलगहन में किसानों चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया ! यहाँ कृषि जानकर श्रीमान हुतेन्द्र डनसेना जी ने नए धान के बीज व खाद खाद के साथ साथ गोधन योजना के बारे में व जैविक खेती के बारे में गौठान के बारे में जानकारी बताया गया और साथ ही चौपाल में धान के नर्सरी उपचार के बारे में विधिवत करते हुए 10 लीटर पानी में बाउस्टिंन नामक घोल से नर्सरी उपचार करने संबंधी संम्पूर्ण जानकारी दिया गया!

इस अवसर पर रिलायंस फाउन्डेशन के कार्यकर्ता भूपेंद्र कुमार साहू ने जानकारी बताया की रिलायंस फाउन्डेशन एक टोल फ्री नंबर 18004198800 जारी किया गया है जिसमे आप सभी किसान भाई खेती की उन्नत तकनीको के बारे में जानकारी व मौसम पशुपालन आदि ले सकते है !

इस कार्यकर्म को सफल बनाने के लिए गांव के पद्धिकारी व ग्रामीण पटेल वा गांव के किसान भाई उपस्थित थे !

छत्तीसगढ़ में पायलट प्रोजेक्ट रूप में लॉन्च होगा एफजीआर पोर्टल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों और कार्यक्रमों को देखते हुए केन्द्र सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा एफजीआर पोर्टल को छत्तीसगढ़ राज्य में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 21 जुलाई 2022 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से लॉन्च किया जाएगा।

इसको लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के कृषि उत्पादन आयुक्त छत्तीसगढ़ को कृषि विभाग अधिकारियों सहित कृषक प्रतिनिधियों, किसानों एवं पंचायतों के पदाधिकारी की ऑनलाईन भागीदारी सुनिश्चित करने और उन्हें शॉर्ट कोड 14447 से अवगत कराने को कहा है। गौरतलब है कि भारत सरकार के कृषि मंत्रालय द्वारा देश भर के किसानों की खेती-किसानी संबंधी विशेषकर फसल बीमा से संबंधित शिकायतों के निदान के लिए किसान शिकायत निवारण पोर्टल (एफजीआर) तैयार किया गया है। इस पोर्टल को फिलहाल केन्द्र सरकार द्वारा पायलट प्रोजेक्ट के रूप में छत्तीसगढ़ में लागू किया जा रहा है। कृषि मंत्रालय भारत सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य का चयन प्रधानमंत्री फसल बीमा के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ राज्य की बेहतर परफॉरमेंस और बीमा दावा राशि के भुगतान में देश का अग्रणी राज्य होने की वजह से किया गया।

स्कूल, आश्रम और छात्रावासों में बच्चों के शिक्षा की हो समुचित व्यवस्थाः मंत्री अमरजीत भगत

श्रीकंचपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य, संस्कृति मंत्री तथा गरियाबंद जिले के प्रभारी मंत्री अमरजीत भगत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय काम-काज की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि स्कूल, आश्रम और छात्रावासों में बच्चों के शिक्षा संबंधी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित हो, यदि छत, खिड़की की मरम्मत की आवश्यकता हो तो तत्काल उसे पूर्ण करें। यहां पेयजल, शौचालय और स्वच्छता का भी ध्यान रखा जाए।

बैठक में खाद्य मंत्री श्री भगत ने कहा कि राशन वितरण संबंधी कोई शिकायत मिलती है तो उस पर तत्काल कार्यवाही करें। गरीबों के हक का राशन उन्हें सही मात्रा और उचित कीमत पर मिलना सुनिश्चित हो। खाद्य अधिकारी ने विभिन्न शिकायतों पर की गई कार्यवाही से उन्हें अवगत कराया। मंत्री श्री भगत ने जिला पंचायत सदस्य श्रीमती लक्ष्मी साहू के सुझाव पर ग्राम बिरोडार में उचित मूल्य के दुकान खोलने की सहमति दी। उन्होंने कहा कि धुरूवागुड़ी हायर सेकेण्डरी स्कूल निर्माण की स्वीकृति हो गई है जिसका निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिये। आश्रम और छात्रावासों में अन्य स्कूलों से अधीक्षक के रूप में संलग्न शिक्षकों को तत्काल मूल शाला अथवा एकल शिक्षकीय शाला में पदस्थ करने तथा आश्रम छात्रावास के बच्चे जिसे स्कूल में पढ़ते हो वहां के वरिष्ठतम शिक्षकों को प्रभार देने के निर्देश दिये गए। मंत्री ने बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक आयुक्त को स्कूलों का नियमित निरीक्षण करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य केन्द्रों में भी पर्याप्त बेड, लाईट, पानी, शौचालय आदि की समुचित व्यवस्था हो। नदी किनारे खेतो में भी विद्युत पंप, सोलर पंप स्वीकृत करने के निर्देश दिये गए ताकि दो फसल लिया जा सके। मंत्री श्री भगत ने बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिए आवश्यक तैयारी सहित प्रभावित क्षेत्रों में गोताखोर और ऐहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिये।

दूरस्थ ग्रामों में आयोजित किया जा रहा जागरूकता शिविर

सूरजपुर। कलेक्टर सु इफ्फत आरा के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी के द्वारा लगातार जिले के दवना, चेन्द्रा, कुदरगढ़, धरसेड़ी जैसे दूरस्थ ग्रामों में महिलाओं को आत्मरक्षा आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के शिविर का आयोजन किया जा है। महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया जा रहा है, साथ ही महिलाओं से संबंधित कानूनी जानकारी देकर उनको सजग किया जा रहा है। कार्यक्रम में विधिक सहपरिवीक्षा अधिकारी अमित भारिया ने किशोरी बालिकाओं और महिलाओं को संबोधित करते हुए कानून की जानकारी दी।

खास-खबर

रुपये लेकर ग्राहक को दिया पुराना पलंग, बिलासपुर उपभोक्ता फोरम ने लगाया जुर्माना

बिलासपुर (ए)। साइंस कालेज मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला में गणेश इंटरप्राइजेस के प्रोपराइटर ने ग्राहक से पलंग का सौदा कर एडवांस ले लिया। बाद में पूरे रुपये देने पर पुराना पलंग दे दिया। इसकी जानकारी होने पर ग्राहक ने नए पलंग की मांग की तो संचालक टालमटोल करने लगा। मामले की सुनवाई के बाद जिला उपभोक्ता फोरम ने दुकान संचालक को सेवा में कमी का दोषी पाया है। इसके लिए जुर्माना लौटाते हुए पलंग की कीमत लौटाने का आदेश दिया है। सरकंडा के राजकिशोर नगर के रहने वाले बलराम तिवारी पिता राजकुमार तिवारी ने 17 नवंबर 2019 को साइंस कालेज में आयोजित स्वदेशी मेला से गणेश इंटरप्राइजेस प्रोपराइटर कमलेश तिवारी के स्टाल से एक पलंग बुक करवाया था। उन्होंने एक हजार रुपये एडवांस भी जमा किया। पंद्रह दिनों के बाद बलराम ने गणेश इंटरप्राइसेज को पलंग देने के लिए कहा और पलंग की शेष कीमत 13 हजार रुपये दुकान संचालक को आनलाइन दे दी। इसके बाद दुकान के कर्मचारी पलंग लेकर बलराम के घर गए। वे कमरे में पलंग को सेट कर रहे थे। देखने में पलंग पुराना लगा था। कई जगह पर जंग लगा था और टूट फूट भी हुई थी। बलराम ने पलंग बदलने के लिए कहा। तब दुकान संचालक ने बदलने का भरोसा दिया। बाद में नया पलंग उपलब्ध नहीं कराया। इस बीच पीड़ित कई बार दुकान संचालक के पास गए।

सड़क हादसे में टीचर की मौत

घर जाते समय ट्रक ने मारी टक्कर, 3 फीट उछलकर पहिए के नीचे आ गया

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार टीचर की मौत हो गई। टीचर अपने घर जा रहे थे। तभी सामने से आ रही ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दिया, जिससे वे अपनी बाइक से तीन फीट उछलकर ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। इस हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा मस्तूरी थाना क्षेत्र में हुआ है।

जानकारी के अनुसार, मस्तूरी क्षेत्र के भनेसर निवासी अनूप कुमार बरला (44 साल) कुकुर्दीकेरा प्राइमरी स्कूल में टीचर थे। मंगलवार को वे अपने काम से मस्तूरी आए थे। शाम को काम निपटाकर अपनी बाइक से घर जा रहे थे। बाइक सवार टीचर अभी मस्तूरी से जयरामनगर रोड में शिव पेट्रोल पंप के पास पहुंचे थे। उसी समय सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

भाई ने दर्ज कराया केस

टीचर अनूप कुमार बारला के भाई जोसफ बारला भी प्राइवेट स्कूल में टीचर हैं। आसपास के लोगों ने उन्हें हादसे की जानकारी दी। खबर मिलते ही वे मौके पर पहुंच गए। तब तक वहां पुलिस की डायल 112 की टीम भी पहुंच गई थी। उन्होंने अपने भाई के शव को पीएम के लिए भेज दिया। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई थी। इस बीच मौके का फायदा उठाकर आरोपी चालक ट्रक छोड़कर भाग निकला। बताया जा रहा है कि ट्रक में खाद भरा हुआ था। ट्रक खाद लेकर आसपास की सोसाइटी जा रहा था। तभी यह हादसा हो गया।

याचिका पर सुनवाई

दुष्कर्म पीड़िता मजिस्ट्रेट के सामने सीधे बयान दर्ज करा सकती हैः हाइकोर्ट

बिलासपुर (ए)। हाइकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि सीआरपीसी की धारा 164 के तहत पीड़िता सीधे मजिस्ट्रेट के समक्ष उपस्थित होकर बयान दर्ज करा सकती है। मजिस्ट्रेट कानून के अनुसार बयान दर्ज करेगा। बेमेतरा की रहने वाली कचरा बीनने वाली एक महिला 16 अप्रैल 2022 को गायब हो गई थी। पति ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

बाद में उसका वीडियो वायरल हुआ तब पुलिस ने आईटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया, लेकिन पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज नहीं किया। पीड़िता ने पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों से कई बार बयान दर्ज करने का निवेदन किया, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।

इस पर उसने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर बयान दर्ज कराने की मांग की। बताया कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है। वह कचरा बिनने के लिए बेमेतरा नवागढ़ स्टेट बैंक के कैशियर चंद्रशेखर यादव के घर के पास पहुंची तो कैशियर ने स्प्रे कर उसे बेहोश कर दिया और दुष्कर्म किया। साथ ही वीडियो बनाकर इंटरनेट पर वायरल कर दिया। वीडियो वायरल होने के कारण पता चला कि उसका अपहरण कर दुष्कर्म किया गया है। इस पर पुलिस ने आईटी एक्ट की धारा 67 और 67-ए दर्ज की गई थी।

बाद में पीड़िता को कुछ खाली दस्तावेजों पर इसलिए हस्ताक्षर कराया गया कि इंटरनेट पर अपलोड वीडियो को हटा दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

शासन की तरफ से कहा गया कि वीडियो वायरल होने पर सिर्फ आईटी एक्ट के तहत अपराध जोड़ा गया है, इसमें दुष्कर्म का मामला दर्ज ही नहीं कराया गया है, इसलिए 164 का बयान दर्ज करने का कोई आधार नहीं बनता है, इसलिए याचिका खारिज कर दी जाए। मामले को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि अगर पीड़िता चाहे तो पुलिस विभाग और जांच अधिकारी को सूचना दिए बिना ही मामले में मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करा सकती है। मजिस्ट्रेट पीड़िता का बयान कानून के अनुसार दर्ज करेगा।

बॉयफ्रेंड गाली देता था, इसलिए मार दियाः विधवा महिला से था अवैध संबंध उसी ने पूर्व प्रेमी के साथ मिलकर सब्बल से किए वार, दोनों गिरफ्तार

राजनांदगांव (ए)। राजनांदगांव में कुछ दिन पहले हुई युवक की हत्या का राज खुल गया है। युवक की हत्या उसकी प्रेमिका ने ही की थी। युवक का गांव ही एक विधवा महिला से अवैध संबंध था। बताया गया कि युवक महिला को बार-बार मिलने के लिए कहता था। गाली भी देता था, जिसकी वजह से महिला ने अपने पूर्व प्रेमी के साथ मिलकर युवक की हत्या का प्लान बनाया और सब्बल से कई वार कर उसकी हत्या कर दी। मामला लालबाग थाना क्षेत्र का है।

14 जुलाई की रात को बागतराई और लिटिया गांव के बीच एक युवक की लाश मिली थी। रात के वक्त लोगों ने इस बात की सूचना पुलिस को दी थी। खबर मिलने पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची थी। फिर मामले में जांच शुरू की गई थी। पुलिस को जांच में पता चला कि युवक लिटिया गांव का रहने वाला था। उसका नाम हिरावन मांडले (31) है। पीएम रिपोर्ट में भी इस बात का पता चला था कि युवक की हत्या ही की गई है।

पत्नी भी झगड़ा करती थी

पुलिस ने इस मामले में और जांच की तो पता चला कि हिरावन का गांव की ही मोमिन वर्मा से प्रेम संबंध था। मोमिन विधवा है। ये पता चलने के बाद पुलिस ने मोमिन को हिरासत में लिया था। पूछताछ में ही उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया और बताया कि उसने किसी तरह से इस वारदात को अंजाम दिया था। ये भी पता चला कि अवैध संबंध के चलते युवक की पत्नी भी उससे झगड़ा करती थी।

आरोपी महिला ने बताया कि हिरावन बार-बार उसे मिलने के लिए कहा करता था। गाली-गलौज भी काफी करता था। जिसकी वजह से मैं परेशान थी। इस वजह से मैंने अपने पूर्व प्रेमी टिकेश्वर वर्मा(37) से संपर्क किया था। टिकेश्वर कोलिहापुरी गांव का रहने वाला है। मोमिन ने बताया कि मैंने टिकेश्वर से मिलकर ही हिरावन को मारने का प्लान बना लिया था। मोमिन के इस बयान के बाद टिकेश्वर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

मिलने के लिए बुलाया और मार दिया

मोमिन ने बताया कि 13 जुलाई की रात को मैंने ही हिरावन को अपने घर में मिलने के लिए बुलाया था। रात को 10 बजे गए थे। उस दौरान भी हिरावन गाली दे रहा था। टिकेश्वर घर में ही छिपा हुआ था, जब गाली देने के बाद हिरावन विवाद करने लगा, तब टिकेश्वर बाहर निकला और सब्बल से उस पर वार कर दिया। मोमिन ने बताया कि हम दोनों ने मिलकर फिर उस पर कई वार किए थे, जिससे उसकी मौत हो गई थी।

घर में छिपाया था शव

बताया गया कि हत्या के बाद युवक के शव को कपड़े में बांधकर मोमिन के ही घर में रखा गया था। फिर जब अगले दिन काफी बदबू आने लगी, तब महिला ने टिकेश्वर को बुलाया। इसके बाद 14 जुलाई की रात को शव को बाहर सड़क किनारे फेंक दिया गया था। दोनों के इस बयान के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को पूरे मामले का खुलासा किया है।

मां और चार माह की बच्ची के हत्यारे को आजीवन कारावास की सजा

दुष्कर्मी को 10 वर्ष की कैद

रायपुर (ए)। अलग-अलग थानों में दुष्कर्म व हत्या के मामलों के आरोपितों को अदालत ने 10 वर्ष व जुर्माना तथा आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। हत्या के मामले की आरोपी की सुनवाई अतिरिक्त सत्र विशेष न्यायाधीश एट्रोसिटीज हिरेंद्र टेकाम तथा दूसरे मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक शुभ्रा पचौरी की कोर्ट में हुई। ये मामले तेलीबांधा थाना और गंज थाना के है।

लोक अभियोजक निलेश ठाकुर से मिली जानकारी के अनुसार, तेलीबांधा थाना क्षेत्र के जोरा में रोमा यादव तथा उसकी चार माह की बच्ची की हत्या के आरोप में कोर्ट ने विक्की उर्फ सुखीराम यादव को उम्र कैद की सजा सुनाई है। इस प्रकरण में तेलीबांधा एसआई दिव्या शर्मा की साक्ष्य संकलन और विवेचना के बाद आरोपी को कोर्ट ने कैद की सजा सुनाई है।

सुखीराम ने रोमा और उसकी बच्ची की हत्या 20 जनवरी 2021 को की थी। बताया जा रहा है कि घटना के तीन दिन बाद उसने 23 जनवरी को उसने अपने परिचित दो लोगों को घटना की जानकारी दी। गांव के लोगों ने इसकी शिकायत थाने में की। पुलिस पूछताछ में पता चला कि रोमा पाटन से सुखीराम को काल कर उससे मिलने आने की बात कहते हुए शादी का दबाव बनाया। साथ ही शादी नहीं करने कोर्ट से सजा दिलाने की धमकी दी। गौरतलब है कि हत्या की घटना के कुछ माह पहले ही सुखीराम को रोमा की गवाही के आधार पर जमानत मिली थी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म

आरोपी राकेश जाधव ने गुढ़ियारी में रहने वाली किशोरी को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। आरोपी राकेश जाधव को कोर्ट ने 10 वर्ष की सजा सुनाई है।

फंडिंग का खेलः 10वीं पास टेरर फंडिंग के आरोपित ने दिल्ली में खोल रखी थी बुक बाइंडिंग की कंपनी

रायपुर। आतंकी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार आरोपित श्रवण कुमार मंडल दिल्ली में बुक बाइंडिंग की बड़ी कंपनी चलाता था और करोड़ों रुपये कमाता था। वहीं से आतंकी फंडिंग का खेल चल रहा था। उसके मौसेरे भाई धीरज साव ने 2011 में उसे एक नया खाता खुलवाने के लिए कहा और बताया कि उसमें लाखों का फायदा होगा। श्रवण ने वैसा ही किया। धीरज पाकिस्तान के आतंकी खालिद के संपर्क में था। वह रायपुर के खमतराई में रहकर अंडा ठेला लगाता था। बीच-बीच में वह श्रवण से मिलने के लिए दिल्ली जाता था और उसे नकद रकम देकर उस व्यक्ति के बारे में बताता था, जिसे पैसे देने होते थे। आरोपित के खाते में लाखों रुपये के लेनदेन का हिसाब मिला है।

धीरज की गिरफ्तारी के बाद छोड़ दिया था दिल्ली

वर्ष 2013 में आतंकी फंडिंग का मामला खुला, जिसके बाद धीरज की गिरफ्तारी हुई। धीरज के मोबाइल और उसके पास मिली रजिस्टर के आधार पर अन्य आरोपितों की पहचान की गई, जिन्हें एक-एक कर गिरफ्तार किया गया। मामला सामने आने के बाद श्रवण ने दिल्ली छोड़ दिया था। इसके बाद वह कुछ दिन मुंबई, हैदराबाद में रहा। फिर झारखंड जाकर ड्राइवर की नौकरी करने लगा था। पुलिस टीम लगातार उसकी तलाश में जुटी थी। इसी बीच राजू खान को पुलिस ने बंगाल से गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ में श्रवण के बारे में जानकारी मिली। इसके बाद से उसे लगातार उसे ट्रेस किया जा रहा था। वह लगातार ठिकाने बदल रहा था, लेकिन पुलिस ने अंततः झारखंड से गिरफ्तार कर लिया।

मकान मालिक ने कहा- हाव-भाव से थी कुछ गड़बड़ होने की आशंका

उरला सीएसपी विश्वदीपक त्रिपाठी ने बताया कि आरोपित श्रवण झारखंड में चार साल से रह रहा था। वह छह महीने में रूम बदल देता था। जहां से पुलिस ने गिरफ्तार किया, उस मकान के मालिक ने पुलिस को बताया कि उसकी हरकतें ठीक नहीं थी। ड्राइवरी की नौकरी करता था, लेकिन उसके हाव-भाव अलग थे जिससे कुछ गड़बड़ होने की आशंका थी। किसी से ज्यादा बात नहीं करता था।

10वीं तक पढ़ाई के बाद चला गया था दिल्ली

मिली जानकारी के अनुसार आरोपित श्रवण ने 10वीं तक पढ़ाई की। इसके बाद वह दिल्ली चला गया और एक कंपनी में काम करने लगा। फिर उसने खुद की कंपनी शुरू कर दी। धीरज से मिलने के बाद लाखों रुपये उसके पास पहुंचने लगे।

आरोपी को पकड़ने में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

आरोपित को गिरफ्तार करने में नगर पुलिस अधीक्षक उरला विश्व दीपक त्रिपाठी, चौकी प्रभारी रामनगर (थाना गुढ़ियारी) से उपनिरीक्षक गुरविंदर सिंधु, एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट से राधाकांत पांडेय, संदीप दीक्षित, राहुल शर्मा, थाना उरला से राजेश यादव और एटीएस से पी. किशोर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रेलवे स्टेशन में वेंडर के साथ मारपीट का वीडियो वायरल, आरपीएफ जवानों के खिलाफ होगी जांच

रायपुर। राजधानी के रेलवे स्टेशन में वेंडर के साथ आरपीएफ जवानों द्वारा मारपीट करने का मामला मंगलवार को सोशल मीडिया पर तेजी से फैला, जिसमें जवान वेंडर के साथ मारपीट कर रहे हैं और उनके मुंह से खून निकल रहा है। वेंडर का आरोप है कि आरपीएफ जवानों ने मुफ्त में बिस्किट और पानी मांगा। इस पर उन्होंने हामी नहीं भरी। इसके बाद जवानों ने मारपीट की।

इस मामले की शिकायत करने जब वेंडर जीआरपी व आरपीएफ पहुंचें तो यहां भी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। जानकारी के मुताबिक यह घटना रायपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 5-6 की बताई जा रही है। वेंडर का नाम अंकुश भदौरिया बताया जा रहा है। इस घटना पर स्थानीय लोगों ने भी इसका काफी विरोध किया।

यात्रियों ने भी घटना की रिकार्डिंग कर ली और सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए आरपीएफ ने इस मामले पर जांच के निर्देश दिए हैं। आरपीएफ प्रभारी एमके मुखर्जी ने बताया कि वीडियो में नजर आने वाले जवानों के खिलाफ विभागीय जांच की जाएगी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त मैन्युअल निविदा सूचना क्रमांक-19

ज्ञाप क्रमांक-1964/ व.ले.लि./ग्रा.यां.से./2022-23   दुर्ग, दिनांक 14.07.2022

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से जोनल निविदा जनपद पंचायत अंतर्गत विभिन्न मदों में वर्ष 2022-23 हेतु स्वीकृत रूपये 10.00 लाख से कम लागत के छोटे-छोटे विभिन्न प्रकार के निर्माण कार्य का सम्पादन करने हेतु मैनुअल जोनल निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
1	जोनल निविदा ग्रुप क्रं. 05:- जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत विभिन्न कार्य	20.00
2	जोनल निविदा ग्रुप क्रं. 06:- जनपद पंचायत दुर्ग अतंर्गत विभिन्न कार्य	20.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी http://cg.nic.in/resworks में दिनांक 14.07.2022 से देखी जा सकती है एवं डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 28.07.2022 तक है।

जी-93068/4

कार्यपालन अभियंता,
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, दुर्ग

Authorised For : SOMANY Wall & Floor Tiles, JOHNSON Not just tiles, Lifestyles., orientbell tiles
All Size of Tiles, Granite and Sanitaries
SHRI BALAJI TILES
Krishna Talkies Road, SBI Building, Opp. Church, Risali, Bhilai-490006 Distt.-Durg (C.G.), Mo.-9518326808
E-mail:- balajitilescg@gmail.com

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः- 9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

!! जीवेत शरदः शतम् !!

इंद्रजीत सिंह (छोटू भाई)

को

जन्मदिन

की

हार्दिक बधाई

एवं

शुभकामनाएं.

वशिष्ठ नारायण मिश्रा

गोकुल शर्मा

मलकीत सिंह (लल्लू)

गुरूमुख सिंह (गाबु)

भास्कर मुदलीयार

नितिन

निर्मल सिंह

रामधनी

विनय चौबे

सोनल दुबे

मंजीत सिंह (बिट्टु)

लोकेश कुमार

सौजन्य : सोम लॉजिस्टिक, भिलाई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950